

DPN 6238

Title : दशकर्म विधि DASHA KARMA VIDHI

Run. No. 6929

Cat. No. 14

Micro. No.

Subject हिन्दी साहित्य
Ritual

Religion : Hindu / Bauddha

Language : Skt. / New. / Nep. / Skt. - New. / Maith. - New. / New. - Nep. / *newa direction in detail.*

Size in cms. 27×12

Folios 91

Lines (in a page) 27/9

✓
Compl. / Incompl.

Chapt. / act /

Author / translator

Scribe / donor धन शर्मा / राजेन्द्र श्रेष्ठ

Date: NS / SS / VS / KS 785, 807

Ruler / place

Script : New. / Dev. / Bhuj. / Ran. /

Illus. :

Material : palmleaf / paper / thyasaphu / $\checkmark$ എഴുത്തു, തിരുത്തൽ Leather bound cover. Experimented thick paper. Standard paper.

Condition : fine / damaged by worms, rats, water /

Beginning, colophon, post-colophon :

↓
३^० नमो ब्राह्मे नमः ॥ ददा मित्रा विधान नाम ५
समाप्ति नाम post colophon - इति ददा कर्म कीर्ति स्तोत्रः (संस्कृत) १)

ਥਵ ਸੰਦ ਮਲਾਏ ॥ ਸੂਰ੍ਧ ਗਾਇਤ੍ਰੀ.
 ਕੁਝਾਨੀ ਟ ਜੇਡ. ਟੀਕੀ
 ਕਾਮਾ ਮੈ ੧੭ ਕਾਮਾ ਯੋ ਏਕ
 ਮਨੁ ਸੁਖਿ ਮਨੁ ॥ ॥

[illegible]



ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥
 दशक्रियावेधानं वक्त्रं ॥ शक्राधानं य
 सुवर्नं श्रीमन्नानयनं गथा ॥ जागक
 भगवानामनिष्ठमानाशनं गृथं ॥
 वृणुत विवाहस्थयाकायूवेद
 क्रिया ॥ ॥ शक्राधानं वक्त्रं ॥
 वाक्षवक्त्रं कुरुमां उक्तयकावसष्ठु
 धवियर्थकादिनीस्य ॥ श्यालगतकेसि
 नृनिसानवा ॥ निरिक्ताननं मूलद्रवा
 लस ॥ वसपतियादत ॥ कुरुकनरुसस
 स्वासंगय ॥ वक्षुस्यमसावक ॥ वृद्ध
 कुरुधवक्त्रनविश्याहयासष्ठुविर
 केधकादिनीस्य ॥ श्याकुरुकुरुयुक्ताव
 गीस्यं भाउकुरुयके ॥ गायववमुलनिय
 के ॥ अग्निदुष्टदमका ॥ धंकादि स्य ॥
 आदकयाय ॥ वक्रावृक्कलन ॥ ८ गल
 उयन ॥ रुलकनवलितु ॥ उयवमादिमा
 लकांठग ॥ कोमाजीवानग ॥ मधुवसं
 कुरुसंगलस ॥ इविनि सिय ॥ कुरुवृ
 सिवलादक कुरुयि ॥ शक्राककुरुयि ॥ व
 लंगनरुललुसियगा ॥ अङ्गलसाला ॥
 कुरुलका ॥ योगका ॥ वंउसिवालका

रुलस्थान ॥ अङ्गन ॥ सद्युवस ॥ ममभुलया
 सिद्ध ॥ विलंठ ॥ भवकुरुल ॥ कयागलंठ
 वक्रादिने ॥ वदुमभुललस ॥ कुरुलनरमा
 ल ॥ कुरुसकनसिखमुठमग ॥ ययुवन
 कुरुलुिकमेयाय ॥ यथा ॥ विधिमलुं
 कलनभवेन ॥ ७ ॥

ॐ नमो भगवते वासुदेवाय ॥

कलनसगीधयालवनधनमाल ॥ ॥
 ॐ गलायामि ॥ ॐ दवस्यला ॥ ॐ वम
 ॐ आधा ॥ अस्मान् ॥ ॐ ययुक्ता ॥ ॐ य
 दकुरु ॥ ॐ ययानन ॥ ॐ यना ॥ ॐ यग
 यन्ना ॥ ॐ अमिडे ॥ ॐ दायादवी ॥ ॐ
 चला ॥ ॐ ययुक्ता ॥ ॐ वृदं विष्णु ॥ ॐ अ
 ण्मिडे ॥ सवेदालावनं य ॥ ॥
 वक्रायुजनं ॥ विष्णुवकलनया ॥
 उयुजा ॥ वक्रायुजवलिधन ॥ मयाव
 धुयाजवनधनके ॥ ॐ धलायनमः ॥
 ॐ ययुक्तामन ॥ ॐ ययुक्ताधियाविया
 वियस्यवृङ्गावियवित ॥ विष्णुगद
 धेवयुनाविदेक ॥ नदीदवस्यसवि
 ॐ ययिहनि ॥ स्वाहा ॥ ॐ धुवायनमः ॥
 ॐ वृदं विष्णु विष्णुकुमरे धानिवध

सि॥ प्र॥ अ॥ क॥ रा॥ य॥ इ॥ क॥ न॥ ॥ १२

वदं । समूहमसंया ० सु॥ ॥ इ॥ सामायनम
॥ ॥ इ॥ व॥ ना॥ व॥ नी॥ ध॥ न॥ म॥ ती॥ हि॥ र॥ ग॥ ० सु॥ य
वसिनीमनवदणस्या । व॥ क॥ रा॥ ना॥ द॥ सि
विष्णुव॥ ग॥ दा॥ ध॥ य॥ वि॥ वी॥ म॥ लि॥ गा॥ सु॥ य॥ श॥ व
॥ स्वा॥ ला॥ ॥ इ॥ अ॥ ध्या॥ न॥ म॥ ॥ ॥ इ॥ द॥ व॥ ण॥ ती॥ द
व॥ वा॥ धा॥ व॥ ग॥ म्प्रा॥ वी॥ धि॥ ग॥ म॥ ध॥ न॥ के॥ ल्य॥ य
नी॥ इ॥ दु॥ र्द्व॥ य॥ न॥ न॥ य॥ म्मा॥ डि॥ क॥ न॥ र॥ ग॥ सु॥ क्षा
व॥ मा॥ व॥ द॥ ग॥ न्द॥ वी॥ दू॥ र्य॥ श्या॥ य॥ म्मा॥ नि॥ वी॥
दि॥ व॥ सु॥ जा॥ म्मा॥ नि॥ वी॥ दि॥ व॥ म॥ ग॥ न॥ म॥ थ॥ म॥
वि॥ श्या॥ य॥ वि॥ वा॥ ॥ ॥ इ॥ अ॥ नि॥ ता॥ य॥ न॥ म॥ ॥
॥ इ॥ वि॥ श्या॥ न॥ क॥ वी॥ या॥ वि॥ य॥ वा॥ र्य॥ य॥ ॥ पा॥ धि
वा॥ नि॥ वि॥ म॥ म॥ न॥ जा॥ ॥ स॥ ध॥ म्म॥ चि॥ च॥ क॥ मा॥ ध
अ॥ ध्या॥ न॥ रा॥ य॥ वि॥ श्या॥ व॥ ला॥ ॥ ॥ इ॥ अ॥ न॥ ला॥ य
न॥ म॥ ॥ ॥ इ॥ दी॥ वा॥ वा॥ वि॥ श्या॥ इ॥ द॥ ग॥ वा॥ य॥ वि
व्या॥ म॥ हा॥ वा॥ वि॥ श्या॥ इ॥ द॥ ग॥ वा॥ य॥ वि॥ श्या॥ इ॥ द॥ ग॥ वा॥ य॥ वि
हि॥ र॥ सा॥ व॥ सु॥ ना॥ य॥ धा॥ म्मा॥ य॥ य॥ क॥ द॥ कि॥ ना
का॥ ग॥ स॥ वा॥ दि॥ श्या॥ व॥ ला॥ ॥ ॥ इ॥ य॥ ध्या॥ य॥ न॥ म॥
॥ ॥ इ॥ य॥ ग॥ दि॥ श्या॥ सु॥ व॥ ग॥ वी॥ य॥ ल॥ म॥ ॥
न॥ री॥ स॥ ॥ क॥ च॥ य॥ नि॥ नि॥ वा॥ ॥ य॥ श्या॥ न॥ व॥
वि॥ श्या॥ वि॥ क॥ म॥ ल॥ य॥ धि॥ क्रि॥ य॥ नि॥ रु॥ व॥ ना
नि॥ वि॥ श्या॥ ॥ इ॥ य॥ रा॥ सा॥ य॥ न॥ म॥ ॥ इ॥ वि॥ श्या
न॥ वा॥ ठ॥ म॥ सि॥ वि॥ श्या॥ इ॥ दी॥ वा॥ सी॥ वि॥ श्या॥ व॥ म॥

॥ अ॥ ध्या॥ न॥ रा॥ य॥ वि॥ श्या॥ व॥ ला॥ ॥ ॥ इ॥ अ॥ न॥ ला॥ य

व॥

सि॥ वि॥ श्या॥ वा॥ ला॥ ॥ ॥ ॥ इ॥ व॥ म्म॥ ल॥ न॥ म॥ ॥
व॥ क॥ य॥ क॥ ना॥ न॥ ॥ इ॥ अ॥ व॥ म्म॥ न॥ ॥ ॥ इ॥ य॥
जा॥ य॥ ने॥ न॥ ल॥ ॥ ॥ ग॥ र॥ ली॥ क॥ वा॥ ला
दि॥ ॥ अ॥ ध्या॥ न॥ रा॥ य॥ वि॥ श्या॥ व॥ ला॥ ॥ ॥ इ॥ अ॥ न॥ ला॥ य
सु॥ य॥ जा॥ ॥ द॥ मि॥ न॥ ॥ इ॥ अ॥ ध्या॥ न॥ रा॥ य॥ वि॥ श्या॥ व॥ ला॥ ॥ ॥ इ॥ अ॥ न॥ ला॥ य
ग॥ ॥ इ॥ य॥ वि॥ श्या॥ ॥ क॥ स॥ वा॥ ॥ इ॥ न॥ की॥ र॥
र्वा॥ क॥ म॥ ल॥ का॥ ॥ इ॥ हि॥ न॥ य॥ ध्या॥ न॥ म॥ ॥ लू
सं॥ य॥ ग॥ ॥ इ॥ दी॥ वा॥ य॥ ला॥ ॥ इ॥ व॥ मा॥ ॥ य॥ वि
उ॥ म॥ सि॥ ॥ र्वा॥ ल॥ द॥ ॥ इ॥ ल॥ य॥ वि॥ श्या॥ द॥
॥ सि॥ ध्या॥ म॥ द॥ ॥ इ॥ द॥ धि॥ का॥ वा॥ ॥ इ॥ या॥ र॥
लि॥ नि॥ ॥ ॥

ग॥ ल॥ य॥ नि॥ ॥ इ॥ य॥ ध्या॥ न॥ रा॥ य॥ वि॥ श्या॥ व॥ ला॥ ॥ ॥ इ॥ अ॥ न॥ ला॥ य
सी॥ र॥ द॥ स्या॥ र्वा॥ य॥ र्वा॥ म॥ था॥ र॥ न॥ हि॥ ॥ इ॥
व॥ न॥ नि॥ क॥ म्मी॥ हि॥ स्या॥ म्मि॥ न॥ वृ॥ ति॥ न॥ रा॥ य॥ नि
क॥ ध्या॥ न॥ रा॥ य॥ वि॥ श्या॥ व॥ ला॥ ॥ ॥ इ॥ अ॥ न॥ ला॥ य
थे॥ न॥ न॥ ध्या॥ वि॥ श्या॥ ना॥ ल॥ र॥ ग॥ ति॥ दी॥ र्वा
अ॥ ध्या॥ न॥ रा॥ य॥ वि॥ श्या॥ व॥ ला॥ ॥ ॥ इ॥ अ॥ न॥ ला॥ य
अ॥ ध्या॥ न॥ रा॥ य॥ वि॥ श्या॥ व॥ ला॥ ॥ ॥ इ॥ अ॥ न॥ ला॥ य
गि॥ ला॥ म॥ न॥ ॥ ॥ अ॥ ध्या॥ न॥ रा॥ य॥ वि॥ श्या॥ व॥ ला॥ ॥ ॥ इ॥ अ॥ न॥ ला॥ य
जा॥ य॥ रा॥ ॥ मा॥ ग॥ ध्या॥ न॥ रा॥ य॥ वि॥ श्या॥ व॥ ला॥ ॥ ॥ इ॥ अ॥ न॥ ला॥ य
वा॥ ग॥ दा॥ वा॥ क॥ म॥ म्मि॥ ना॥ जा॥ य॥ रा॥ ॥ ॥

25

श्रीमद्भक्तिसिद्धन्तकान्तिके

[illegible]

अथ पुनर्वर्णः ॥ स्वनाशासानधिष्ठानः ॥
मासद्वितीयतृतीयषष्ठमवाकार्यः ॥ यु
व्यपुनर्वसुमृगशिरस्रामूलश्रवणानि
युनामकृत्तानिहस्तश्रुतदिनः ॥ ॥
मृथपुष्यवाक्रेनहिठथायससायाव
शुतिलेखकास्यदरायवतीवाक्रेलथ
कादिवाकादियवतीमानः ॥ ॥ अथकादि
स्यायवकयाय ॥ अथजमानस्यवधूपुन

मूल्यशालिङ्करन्यशालिङ्गमाह (७३१५६)

द्वादशीमानिथार मंडपनिवदादि द्वादशीना
 निथार मंडपालये २॥ ॥ वलियूजागडं
 नमावल्लभय नागल मंडनमाग (गया) गर
 मु मंडवृक्षग न मंडं श्रीमन्मि के ॥ सधु ॥
 डंडा द्वादश ॥ मधुवि न कि वि ॥ ॥ सवव
 मु मंड मंड वसा ॥ य वि ॥ मंड दधिकारो ॥
 डंडी द्योय मंड या ॥ रु लिनी ॥ द्वादशकन ॥
 डंडमि ॥ ॥ सिल मंड मंडं श्रीमन्मि ॥ मासय
 कनकजादि ॥ वरि द्वादशीमि दिमाल कास
 वदनयूजा ॥ धूपदीयने वद्यादि ॥ वड ॥
 मि मंड म्मि न वरुडा ॥ मंड यय ॥ पृथिव्या
 डंड विज्ञान जाट ॥ मंड म्मि देवता ॥ मंडं श्री ॥
 नि मंड मना द्वादशी ॥ पुनि का ॥ लाजाम् ॥

म्मि यय न क्कति कस्वया ॥ ३ ॥ धन धन ॥
 डंड या ॥ रु लिनी ॥ मंड रुला ॥ न कस्वया ॥ न क
 मुग्दाम वदन ॥ ॥ गुजद के ॥ न वद्यादि
 लि म्मि जय ॥ ॥ वरु मादक ॥ रु लं यय ॥ गाम्
 लं धूपदीयक ॥ ॥ यय जागामया विना ॥ जय
 यय क्क मायकी ॥ ॥ वरु निरु वरु ॥ ॥
 डंड क्क मायसग ॥ ॥ विवासा ॥ न क व
 नन सिद्धा ॥ ॥ यय धूपदीयने वद्यादि
 सर्वनम ॥ ॥ मंड क्क मायनम ॥ ॥ धन
 जाय ॥ मधुल ॥ ॥ मंड यय नाग ॥ नि ॥
 म्मि न क्क माल्या ॥ ॥ लयन ॥ ॥ म्मि वाला बाल

॥ डंड याया रु नि ॥ म्मि गम्मादि

॥ यय ॥ वरु कु ॥ ॥ निरि वारु न ॥ ॥ यय ॥ वरु
 दन ॥ श्रीमान् ॥ ॥ निरि व ॥ ॥ निरि व ॥ ॥
 का वरु कु ॥ ॥ म्मि म्मि ॥ ॥ म्मि म्मि ॥ ॥
 वरु सदाय ॥ ॥ म्मि म्मि ॥ ॥ म्मि म्मि ॥ ॥
 म्मि म्मि ॥ ॥ म्मि म्मि ॥ ॥ म्मि म्मि ॥ ॥
 म्मि म्मि ॥ ॥ म्मि म्मि ॥ ॥ म्मि म्मि ॥ ॥
 म्मि म्मि ॥ ॥ म्मि म्मि ॥ ॥ म्मि म्मि ॥ ॥
 म्मि म्मि ॥ ॥ म्मि म्मि ॥ ॥ म्मि म्मि ॥ ॥
 म्मि म्मि ॥ ॥ म्मि म्मि ॥ ॥ म्मि म्मि ॥ ॥
 म्मि म्मि ॥ ॥ म्मि म्मि ॥ ॥ म्मि म्मि ॥ ॥
 म्मि म्मि ॥ ॥ म्मि म्मि ॥ ॥ म्मि म्मि ॥ ॥
 म्मि म्मि ॥ ॥ म्मि म्मि ॥ ॥ म्मि म्मि ॥ ॥

क्क मायकल ॥ ॥ याया ॥ ॥ वरु सिवाल ॥ ॥
 द्वादशी ॥ ॥ म्मि म्मि ॥ ॥ म्मि म्मि ॥ ॥
 जायाय ॥ ॥ म्मि म्मि ॥ ॥ म्मि म्मि ॥ ॥
 क ॥ ॥ म्मि म्मि ॥ ॥ म्मि म्मि ॥ ॥
 वरु सदाय ॥ ॥ म्मि म्मि ॥ ॥ म्मि म्मि ॥ ॥
 लं वरु ॥ ॥ म्मि म्मि ॥ ॥ म्मि म्मि ॥ ॥
 लं वरु ॥ ॥ म्मि म्मि ॥ ॥ म्मि म्मि ॥ ॥
 यय ॥ ॥ म्मि म्मि ॥ ॥ म्मि म्मि ॥ ॥
 वरु सिनय ॥ ॥ म्मि म्मि ॥ ॥ म्मि म्मि ॥ ॥
 म्मि म्मि ॥ ॥ म्मि म्मि ॥ ॥ म्मि म्मि ॥ ॥
 म्मि म्मि ॥ ॥ म्मि म्मि ॥ ॥ म्मि म्मि ॥ ॥
 म्मि म्मि ॥ ॥ म्मि म्मि ॥ ॥ म्मि म्मि ॥ ॥

अथ शर्मिष्ठा नयन कर्म सायुथ मग ईमा

ת

10

25

अथ कलशपूजा नाडं धनाय २॥ १॥ १॥
 न ॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥
 माय २॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥
 दव १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥
 विष्णु १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥
 वा विष्णु १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥
 ॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥
 ॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥

म १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥
 म १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥
 म १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥
 म १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥
 म १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥
 म १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥

बुद्धायादवनल श्रीनारायणनर्तयूजा
 न ॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥
 स १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥
 ॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥
 य १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥
 रु १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥
 न १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥
 स १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥

ला ४

वेदकल ४ यल ॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥
 वामवेवाय १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥
 य १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥
 ॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥
 ॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥
 ॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥
 ॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥
 ॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥
 ॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥

स १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥
 स १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥
 ॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥
 क १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥
 ल १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥
 लि १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥
 उ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥
 ॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥
 अ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥
 य १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥
 मूल १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥
 योग १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥

गल गड गल नाला गल गल गड ममावतु गय
 गुत्र गड वरु सन ग यागी नी गड अमम सि क
 लमम स गड अय रमे ८५ को मानी गड जा गव
 द ल ग वरि दाना नी दि सख वदन पूजा ग
 क्रसकन ग सिधु मूढ गड ही खन ग वड ४
 स्वसि गड स्वसि न वरु डा ग ज ग धूय गड धन
 सि ग दीय गड गजा सि ग रल गड या ४ रलिनी
 ग अत्र गड अत्र यन ग यनिका गड मना हू नि ग
 जाय सगु गड हं ग ल ४ यम या नि र्जल धि म
 ख धन ४ मं ४ दी घे ग लामान पी ग वरु
 उद ली गु वम यि जय ध क क लु काय क
 रु र्क । यि ग की सा रु नी वे सु र चिन ज ठि
 लो ल व कू च ४ पि द ली धे न यी या ग य द
 चि ग सक स क ग न म पू लु क र्क गड ल
 श्री ना ना य ग य गि उ व द न मि ता वे न ग या
 स न ल वाम य कू गि द र्क सि मि ग क न ध
 ना ध म मा का थ रु उ ग वि कू वे कू ४ वा सा
 द न ज रु ग क ना द कि ले च क ल म रा को
 मा रु ग र्क र्क य र्क ध न नि क न र्क ४ य र्क ग
 स न म मा मु ना ग माल क र्क मु नि ग र्क क ल
 म यू जा वि धि ४ ग

गता १ थ पि दा सा ध न गड द व स्य त्वा ग अ
 थ ली व न ली अ लु क र्क गड य ल

वृ ० न क गय ग र्क र्क गड अ नि नि ना सि
 नि ग र्क र्क र्क गड म र्क नि य या सी नि ग
 धृ र्क नि धा य गड न म्मा स्य व ध न ४ ग क
 क र्क नि न ग ध या द व न क उ न थ य वि
 य न गड का न न ग क सा य गड अ दि थि ग
 म्मा सि गड स व र्क द वे थारु वि गड या ल
 य सारु गड या ना य सारु गड उ द ना ना य
 सारु ग क का य गड म मी य स गड ग
 ग ल म न गड र वि ४ कू द हि र मू ग न ग
 रु र्क गड क कू र्क सि ग क र्क र्क गड व र्क व
 कू म सि ग हा सो स गड य ना य न ४ ग ल य
 उ द वा व ४ स वि न गि र्क र्क र्क र्क र्क गड द व
 र्क ४ ग र्क र्क र्क र्क र्क र्क र्क र्क र्क र्क र्क
 उ र्क का न य गड का न ग ध क व र्क र्क र्क
 ग र्क र्क र्क र्क र्क र्क र्क र्क र्क र्क र्क र्क
 व र्क सि यू ज न गड य जा य न न ल गड र्क
 त्वा ग ध व क व र्क र्क र्क र्क र्क र्क र्क र्क
 क व ग म ल गड अ य रु ग नि ग म ग ल य न
 न गड ग म्मा द सि ग गड द व स्य त्वा ग
 उ र्क व द वि अ लु क र्क र्क गड ग ना न मि नु ग
 उ र्क र्क र्क र्क र्क र्क र्क र्क र्क र्क र्क
 उ र्क र्क र्क र्क र्क र्क र्क र्क र्क र्क र्क
 उ र्क र्क र्क र्क र्क र्क र्क र्क र्क र्क र्क
 य न ४ ल र व न हा य म व र्क र्क गड का न न

25

경

15

10

5

सिद्धान्तलंकाविरयः ॥ ४ ॥ वसः ॥ ४ ॥ यविरयः ॥
अथ यविरयलंकाविरयः ॥ ४ ॥ यविरयः ॥ ४ ॥ यविरयः ॥
सिद्धान्तलंकाविरयः ॥ ४ ॥ यविरयः ॥ ४ ॥ यविरयः ॥
अथ यविरयलंकाविरयः ॥ ४ ॥ यविरयः ॥ ४ ॥ यविरयः ॥

थं सा ल च नु र वा वा न न न . क पा न म म
 सि न्धु मू द वि य व ध ॥ उं गी ॥ व न ॥ व न ॥
 उं य द द क ॥ अं ज ल न व ल क ॥ उं नी ल
 ला हि न र व न क य ण किं शु ज न । न ध ल म्
 सा जा न य ॥ य नि व ॥ ध व ध न ॥ अं ज न
 सा ला स स य ण य ॥ स्त्रा ने स वि य ॥ उं या
 ॥ रु लि नी ॥ स ॥ व न न न य क . ज व स ॥
 उं द धि का य ॥ लि ध न य ण य न न य क
 ॥ अ क न ॥ उं दी धा य म् ॥ ॥ व ध
 वि न ॥ ध न य ॥ उं ॥ ॥ स्त्रा ला ॥ अ द
 नि ॥ उं व म् य ॥ न ॥ ला य ॥ उं ॥ व ॥
 स्त्रा ला ॥ उं ॥ द वि ध ॥ उं ॥ स्त्रा ला ॥
 उं न म ॥ न म् वा य ॥ उं ॥ ॥ स्त्रा ला ॥
 ॥ अ गी द ॥ उं ॥ य व नी द किं न ॥
 नि ना य ला हि मि वा स्ती र्मु स्या धि य नि
 क ॥ उं ना क्श ॥ न क साम ह य य जा
 म न ॥ नि य जा म व य गु ना र्म ध र न थ
 रु य गी ष य गु ना र्म र व नि ॥ ॥ उं
 रु य व ॥ स्त्रा ला ॥ अ द नि ॥ उं म ना ई
 नि ॥ ध न व ध ला सा ला व र्म न . क हि न र्म
 कि क म न ॥ य न्ध व ॥ अ ग व माल का न
 व जि न . ध नी न ॥ व न्ध म न व ॥ य न्ध व ल
 हि या व . व ध न च न्ध ण न या य क ॥ य
 व गु म् का य व . व ध न क ॥ य न्ध व ॥ उं
 स्व लि वा च न य ॥ ॥ ध ल क . य य क

विकल्पाय ॥ यन्मर्जसंज्ञान ॥ नमः ॥ ७

यन्मवनस्थाययाक्रमान. कलगायान. ज
 कृतिगड्यदस्कंद. यूधु ॥ धनक्रमान. क
 लगावियाव. विसर्जनयाय ॥ व्यासन ॥ स
 र्यसाक्रियया ॥ ॥ ७ ॥

धनकमानवाक्यलवाकायकयुय ॥ वा
 समवादा श्रीमाल्. रवाठ श्रीमनव ॥ दान
 सु० वायकावल्लखवल्लिलाव. इवाठ
 रु ॥ ॥ यल्लयार्थ. विनस्वदाव. वसाव
 कस्त ॥ नन० कमानयुजायाय ॥ उं कमा
 नमूर्त्तियं०० दमासननेम ॥ यय ॥ याद
 र्थमास्तार्थ ॥ नकाचन्दन ॥ सिधुन ॥ नक
 यल्लयवीनयुय ॥ अल्लदन. वसादि
 नविय ॥ धूपदाय ॥ अंनसंकल्य ॥ निगन
 वजा. माल ॥ अगुगन्धदि ॥ ॥ कमाल
 कननदानं ॥ उं सीमलानयभादनयुग
 कामनार्थ कमानकलनदानदागर्थ ॥ उं
 ददस्व ॥ ॥ कलनिलजल कमानकलन
 जादग ॥ उं अशादि ॥ उं यनीस्कावादि
 यूकं. स्वादाभादकसंयुग. उर्थ. उदरु क
 लर्ग. युजजागा. मुसनेल ॥ अमकवध ॥ ८
 दिक्कनयुग जातकामनार्थ कमानकलनदानं
 उर्थसंयुदद ॥ उं कादाग ॥ व ॥ उल्लु

25

5

स २

25

ॐ यन्त्रधारुमाय २ ॥ ॐ लक्ष्मी २ ॥ ॐ गङ्गा
 यन्त्र २ ॥ ॐ कृष्णाय २ ॥ ॐ आदित्यादि नवग्र
 हस्था २ ॥ ॐ ब्रह्मादि दशलाकपालस्था २ ॥
 ॐ अश्विन्यादि अष्टाविंशति नक्षत्रस्था २ ॥
 ॐ विष्णुमादि सप्तविंशति गणस्था २ ॥
 ॐ मयादि द्वादशनामिस्था २ ॥ ॐ युनियदा
 दियक्ष्णदशनिधिरस्था ३ ॥ ॐ गणपतये २ ॥
 ॐ गुरुस्था २ ॥ ॐ सवेद्यादवस्था २ ॥ ॐ ह
 दयाय २ ॥ ब्रह्मादि षष्ठ्यंश ६ ॥ आकाश
 नादिलब्धनाम नवग्रहस्थानम् ॥ ७ ॥

गतावदात्रेन ॥ उं य ॥ ॐ ॥ दं विष्णु-
 उं ॐ नावनी ॥ उं द व ॥ ॐ ॥ विष्णुनेके
 ॥ उं दिवावा विष्णु ॥ उं य न दिष्णु ॥ उं वि
 श्वानाठ म ॥ उं न दिवासा विष्णुने वाया
 ॥ वा ॥ स न सिन्धुस ॥ विष्णुया ॥ य न म
 य य द ॥ उं वि ॥ ॐ ॥ क म्मा वि ॥ उं ॥ नि
 य दा ॥ उं ॥ न दि ॥ ॐ ॥ य न म य द ॥ स दा य
 ॥ नि स न य ॥ ॐ ॥ दिवा व च ॥ ना न न ॥
 ॐ ॥ नि द्वा द न ना ना य न स व द ॥ ॥

डंलीधन ॥ डं अ वि धन य य ॥ डि घ
 न्न नरु सा न मन सा ह्य । म ऊ लि । म्पि रु
 न य ध नी अ नि धु वि मृ (धनं वा ज) हु नान ॥

[illegible]

25

경

15

10

ת

मनु॥ द्वादशध्यायेन ॥ ईदिवस्यमित्यथम
ॐ ॥ अग्निनमोदिगीयम्यनिजानवेदा ॥
गुणीयमयूतम ॥ अजसमिन्धन ॥ अन
अननस्वाला ॥ ईदिविज्ञानजगत्प्रधातया
निद्विज्ञानधामद्विहतायुक्ता ॥ विज्ञानना
मवनमहुत्तयद्विज्ञानमूर्तियय ॥ आजगच्छ
॥ ईदिसमूहत्वानुम ॥ अयूकनृवका ॥ ००
॥ ईदिवो ॥ अग्निनद्वधन ॥ गुणीयस्वानजसिग
स्त्विवा ॥ समयायूयस्कमहिषा ॥ अवहन्
॥ ईदुक्कदन्निस्सुनयन्निवधो ॥ कामाय
निहदीवध ॥ समअन ॥ सथाजगन्ना ॥ द्वि
हामिद्धा ॥ अग्निदादसीरानुनायक ॥ ४४ ॥
ईदुग्नीधमदानाधर ॥ अनयीधमानीवाध
श्याय ॥ ४सामभया ॥ ४वसू ॥ ४सुन् ॥ ४सह
सा ॥ अयूनाजाद्विराजग ॥ ४वसामिधन ॥
॥ ४न ॥ ईदिविद्यस्यकडुवुवनसगर्ह ॥ अना
दसी ॥ अयूधजायमान ॥ ४वीर ॥ ४क्षिदडिम
हिनत्यनाय ॥ ४नायदग्निमयजकय ॥ ४३ ॥
६ ॥ ईदुग्निष्ठावका ॥ अन्ति ॥ ४समधामरु
व्यग्निनमृता निधायि ॥ ००यहिधूममयू
षमनियइरुके ॥ ४विवाश्यामिनक
॥ ० ॥ ईदुग्नाभा ॥ ४वक्र ॥ ४वायव्योदुम्यवमा
य ॥ ४ग्नियन्वान ॥ ४अग्निनमृता ॥ ४वद्वया

[illegible]

नद० गत० ०८० याम० ०८० नद० ०८० गत० ०८०
 यम० गत० नद० ०८० गत० ०८० ॥ यम० नद० यम०
 कमान० जय० नय० मनु० ॥ ॐ अस्मात्तव ॥
 ॐ यम० नद० ॥ ॐ हि नद० मनु० गत० ॥
 ॐ अ० गत० मनु० गत० सिद्धया दहिजाय
 म० ॥ आत्मावेयु० नामासि सजीवमन० ०८०
 गत० ॥ ॥ अथ कमानया० मामलीवन
 हाय ॥ ॐ ॥ जसिमेगावन्वीवीवी
 यमजीजन० ॥ ०८० सार्ववीवनीरुव
 यास्यान्वीनवनी कन० ॥ ॥ अथ
 मामयाजवद० मनु० ॥ लीवन ॥
 ॐ ॥ म० ०८० मनु० ०८० नय० पापीय
 यीनम० ॥ गत० नीनय० म० ॥ ॐ ॥ द० वसु
 मध० मरु० मध० न० ॥ सम० दिव० ०८० सदनमा
 विगसु ॥ ॥ रव० वद० ०८० मनु० ॥ ॐ
 यम० मनु० ०८० गत० याम० थारु० यी० नल० ॥
 वसु० विद्य० ०८० सदन० यम० विद्य० यम० नि
 वाथीनि ॥ सन० सनी० गमीरु० धन० वक० ०८०
 उद० यी० नमि० मध० नि ॥ ॥ ॥

जागरु० यमि० नल० नज० लया० स० यीन० ॥
 अमन० या० २० यो० दवन० सास० खीन० थ

लाव० यी० नया० वद० वन० ॥ दान० साचिक
 नय० म० दान० सा० दली० व ॥ वसु० धा० ला० यी०
 स्या० यन० या० ॥ ली० व० द्या० य० थ० दान० वद० दान०
 म० माल० ॥ वन० सि० थ० य० द्या० य० वी० नय० य० य०
 दि० वी० नय० क० द० न ॥ य० ज० न ॥ ॐ ॥ अ० यो० द० वी०
 ध० जा० य० थ० य० थ० द० व० य० ज० ॥ ०८० सु० नि० का० यी०
 स० य० रि० का० जा० ग० थ० ॥ वा० य० न० वी० पि० वा० ला
 ला० या० व० ना० जी० क० द० न० या० य० क० ॥ ॐ ॥ व० सि०
 वा० य० न० य० ०८० ॥ ॥

वाल० क० पि० या० या० वा० य० मा० उ० द्य० ॥ दान०
 स० म० य० क० उ० म० न० वा० य० न० अ० व० स० ग० या० व०
 य० जा० या० ॥ ॐ ॥ अ० यो० दि० ॥ सु० नि० का० यी० स०
 य० न० नि० मि० य० थ० वा० क० ॥ ॐ ॥ अ० क० य० ॥ गु० न०
 न० म० स० क० न० न्या० सा० यो० वा० य० य० जा० ॥ द० ल० क०
 न० वा० म० ल० का० न० ॥ स्या० म० य० जा० ॥ ॥ ॐ
 ग० म० य० गी० न० सा० य० ॥ ॐ ॥ म० ला० जा० मि० ॥ अ० य० क०
 न० ॥ ॐ ॥ य० द० वा० ॥ य० नी० स० म० रू० धी० ॥ ॐ ॥ मान०
 स्या० क० ॥ उ० य० ल० य० न० ॥ ॐ ॥ हि० न० य० य० ॥ य० य०
 लि० वि० ॥ ॐ ॥ स० द० स० य० मि० ॥ धा० न्या० य० क० य० न०
 ॥ ॐ ॥ वी० रु० य० य० म० ॥ वी० ही० य० क० य० न० ॥ ॐ ॥ वी०
 म० रु० ॥ का० य० ग० रु० न० ॥ ॐ ॥ धा० ना० स्या० ॥

[illegible]

हा ॥ पुनर्द्युतन ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॥ पु
 ननादिति मनु ॥ ॐ अलिखन् निमिषकि
 वदतडय ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ
 यया लितु मविष्ठी मूरव ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ
 वनान ग्वनादि ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ पुनर्द्युतन
 ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ अलिखन् निमिषकि ॥ ॐ पुनर्द्युतन
 सिमसिधदाय ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ
 य ॥ वलि ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ
 भक्ति ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ
 तिका मियुगलाय ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ
 वसुन्धरादिसर्वाय ॥ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ
 ॥ अङ्गनादि ॥ ॥ धर्मादि सायं प्रातः
 हामयाय माल ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ
 वाक्कलनसस्त्रिवाचनय ॥ ॐ नमो भगवते ॥ ॐ ॥

वालिञ्छाढमच्चिस्यसंनसाधवलस.वा
 ययाम्भुसक्याव.वमुनधायकन॥अ
 थजययति॥ॐ कृ कृ न॥ सुकृ कृ न॥
 कृ कृ न॥ वालवंधनावृद्धकृ नकसृजम
 स्रंभुसीसलालयतायकनगसस्यय
 रुंदवावनमदधृ॥ संखकुमानभवापृष्टी
 धावृद्धकृ नकसृजनमस्रंभुसीगाला
 लयतायकनगसस्ययकृ सनमामागासी

सन ४ चिता ॥ अमनवलोगानो वचनकसु
 जनमसु अमुनीन ॥ लयनाहनयलिम
 नतिननामयतिननुदतिनदुष्टातिनतिष्ठ
 तिनग्लायतिरुवर्यवदामायववालिम
 अमसिति ॥ धृथीनियानसा ननामयमि ॥
 ननुदति ॥ नदुष्टातिक्रमान ॥ धृथीनिमा
 मनवृष्टि ॥ वालिग्लानसा धृकर्मयाय
 ॥ अममसनसा धृकर्मममाल ॥ ॥ वा
 यभाउहृयमाल क्रमानधियाया ॥ ७ ॥

वायविहावयाव ॥ अममसादि स्त्रानर्तन
 क ॥ सनार्थ ॥ अममसादिदक्षिण ॥ नना
 वदार्जन ॥ ॥ वाक्कधयार्तदक्षिणवि
 य ॥ निधिलियालयार्तदक्षिणशानन ॥
 विविधिवियार्त वियमाल ॥ वाचकाय ॥
 ॥ धनहुं ॥ वि. विधिलि. अमनउ. अम
 य. अमल. अममसादिनशानननयक ॥
 वायनउलवयादकउलवनअरिषक
 विय ॥ हुं वसुत्वा ॥ ॥ वालवयार्त मा
 मयार्त सतिमिनासगयावग ॥ धृकादि
 यरुतिसकलसुविय ॥ वन्दन. सिधुना
 गावोद ॥ हुं यययाध ॥ क्रमानयार्त ॥
 मामयार्त वाययार्त धृकादिनीसु माल

कार्कशादीवाविय ॥ ॥ अथसिद्धि
 मू ॥ अरिषकादिठठावयुनादिनसु
 मथिसावियनव ॥ मव विस्मययनव ॥
 अथवाक्कधयार्त ॥ ॥ १०. वी. अममसादि वि
 यमाल ॥ ॥ अममसादि विसर्जुन ॥ हुं द
 वागभउ ॥ सयमाकि ॥ अक वियमाल ॥ नि
 धवक्कावक ॥ हुं दवा विस्वाकाय ॥ ॥ १०. निना
 दीमरवदि यवदकजातकर्म विधि ॥ ॥
 वाक्कधनार्तयार्तहामयायमाल मि
 युकासनदालसा ॥ ७ ॥

अकककदिनसददनवलगतउवहन
 हुं दवा वदनस याकाव अकवियक अय
 धवममजागशुकायवक ॥ यिनको. निधि
 यामपूजा विधन धृयाय ॥ वध्यायाम
 ननिमिर्त्यधवाक्क ॥ वाकास्यधनसुयक
 धृकादिसु विवशविधिय ॥ वाक्कधयार्त
 लिषक ॥ ॥ चवधिवाक्कधृकनिसु
 नक ॥ ॥ सुनिकातिधनकधृयिनको
 ना. सतिनिसुममाल ॥ अथवा निवहुना ॥ ७

अकककनयाय माउहृय ॥ अथवसुन
 नयक ॥ ददन धवमजागशुकाययक ॥

॥ उं समिग ॥ सिधुमूढ ॥ उं श्री ॥ अग ॥ क ॥ उं
दीघायुस्त्रा ॥ आकाशमाल ॥ उं अस्माकमिद
॥ वउ ॥ अति ॥ उं सुस्मिन्न ॥ अज ॥ ध्रुव ॥ उं
धनसि ॥ दीय ॥ उं गजासि ॥ दल ॥ उं या ॥ ह
लिनी ॥ नवद्य ॥ उं अन्नयन ॥ यतिष्ठा ॥ उं
मनाहूति ॥ जायमुति ॥ उं दुवनापिनममु
ली ॥ लोकागणकाविही ॥ कल्याणय क
मानस्य कृष्णविवस्वधन ॥ अग्नय ॥ अदि
धन ॥ धनकाव ॥ मानकोयाय ॥ ददन ॥ ७ ॥

॥ ७ ॥
ददन ॥ गिभियालक ॥ वासीगयाली ॥ वा
मावा ॥ अया ॥ मनदयकाव ॥ हासासगसी ॥ हा
याव ॥ लखान ॥ पिवन ॥ वाढगा ॥ थ ॥ ॥ अ
थनि ॥ नसन ॥ हासासवानक ॥ लीवक ॥ लंग
लीलदन ॥ दीवकाव ॥ हासासगसी ॥ हाय ॥ व
सुधना ॥ दीवकायक ॥ धवलस ॥ धूलियूय ॥ हा
थि ॥ आय ॥ नवद ॥ ग्वउ ॥ सनक ॥ हाउन ॥ विथ
य ॥ ॥ धधनकाव ॥ वसुधना ॥ दीव ॥ थ ॥ थ ॥ ॥

॥ ७ ॥
धनलि ॥ थ ॥ मामनवा ॥ लिग्ननय्याव ॥ वि
हायस ॥ बालकन ॥ उग्न ॥ मिष्टक ॥ लुग्ननक
यकाव ॥ विसर्जनयाय ॥ धमिष्टक ॥ लु ॥ खा
सवायक ॥ नकाय ॥ ॥ बालक ॥ विग्नन
कायली ॥ हाय ॥ नस ॥ अया ॥ कायन ॥ दयकाव ॥
दुवगसी ॥ विहाय ॥ मामनय ॥ वाक ॥ कृष्णस

याउवियावर्यन ॥ कसकन ॥ सिधुमूढ ॥ अज
नमाला ॥ मामनक ॥ नमाल ॥ माउ ॥ कनि ॥ बाल
कयामाद ॥ सदिवकीन ॥ कलन ॥ २ ॥ दिवाल्याव
२ ॥ गियाग ॥ २ ॥ दालजवमवव ॥ ७ ॥

॥ ७ ॥
थकादि ॥ सि ॥ लसाय ॥ लखम ॥ लुलादि ॥ निम
कनवलि ॥ अग्निपाहनका ॥ सगु ॥ अनका
य ॥ वदम ॥ सिद्धन ॥ सगु ॥ सस्यान ॥ विय ॥ स
रु ॥ अना ॥ विग्निका ॥ ॥ उं ॥ मनाहूति ॥ ॥ ॥
वय ॥ ग्वउ ॥ २ ॥ मामनकाय ॥ स ॥ पाउ ॥ वेयाव
गाउरुयके ॥ उं ॥ अवसाद ॥ लुस ॥ ८ ॥ वावी
मापा ॥ हाय ॥ गीलावउ ॥ यथ ॥ न ॥ ७ ॥ सामरु
लामाव ॥ नक ॥ अउ ॥ वु ॥ उ ॥ विर्ण ॥ ॥ ध ॥ वय
याउ ॥ काय ॥ क ॥ मवन ॥ ॥ ॥ ॥ ध ॥ गार्थ ॥ विवदि
ग ॥ र्द ॥ वया ॥ थ ॥ लसाय ॥ व ॥ विर्ण ॥ नि ॥ स ॥ ॥ द ॥ व
या ॥ ग्वय ॥ गाउ ॥ रुयके ॥ ॥ वद ॥ का ॥ वि ॥ हा ॥ य ॥ द
कि ॥ ॥ ॥ उं ॥ दकि ॥ हा ॥ मा ॥ पा ॥ हा ॥ गि ॥ लु ॥ सा ॥ वउ ॥ व
रु ॥ साम ॥ य ॥ ३ ॥ द ॥ हा ॥ सामा ॥ गी ॥ वा ॥ अउ ॥ ८ ॥ कृष्ण
विर्ण ॥ ॥ २ ॥ ॥ याविर्ण ॥ ॥ उं ॥ यगी ॥ वी ॥ मा ॥ पा ॥ हा ॥ उ
ग ॥ गी ॥ ला ॥ वा ॥ व ॥ उ ॥ व ॥ न ॥ य ॥ ७ ॥ साम ॥ स ॥ क ॥ द ॥ हा ॥ सामा
व ॥ र्द ॥ अउ ॥ वि ॥ द ॥ विर्ण ॥ ॥ ३ ॥ ॥ य ॥ वि
र्ण ॥ ॥ उं ॥ ड ॥ डी ॥ वि ॥ मा ॥ पा ॥ हा ॥ न ॥ कृ ॥ सा ॥ वउ ॥ व ॥ ना ॥ उ
७ ॥ साम ॥ क ॥ वि ॥ ७ ॥ हा ॥ साम ॥ ७ ॥ न ॥ द ॥ उ ॥ ८ ॥ रु ॥ ल ॥ ड
विर्ण ॥ ॥ ४ ॥ ॥ ग ॥ न ॥ द ॥ सा ॥ न ॥ र्य ॥ न ॥ क ॥ न ॥ अ ॥ न ॥ न
या ॥ ल ॥ ला ॥ च ॥ के ॥ ॥ उं ॥ दु ॥ हा ॥ मा ॥ पा ॥ हा ॥ र्य ॥ कि ॥ हा

वडसाकननवगसामनिठिअवठयुसि०
 लोमोमोरुमकनिजिनावठवठोडविर्ण
 यथर्मनमय० गिन० ४५३ ॥ अथलासावडर्ण
 यन. द्वायाउवयावठयादूवाकअम
 वन॥ वालिवालालाव. सुथर्वकन.
 लहोम॥ उंगवठइव॥ ॥ अथनलिमल
 वडाव. वालिथकादिमथिनसयक॥
 उंगगायनसु॥ अनामिकादिअंभुधन॥
 ३॥ ॥ अथवसुधनार्थवाकगसंयुजा
 यावर्थकादिन॥ उंयजमानामुकस्यनि
 कुमभयागानिमित्थर्थवाक॥ रुसाधे. वन
 नसिन्हादियरुगयवीनप्रथ. ध्यदीय. अ
 बसकल्यदकि. ध॥ ॥ वावनजलव. धनस
 लसायाकेलनयालरववान. अरिषक॥ व
 ननसिथेन. आशीबोद॥ उंयगयाध॥ ॥ वा
 लकयार्ण॥ मालकाध्वविय॥ ॥ वाक
 आदि. यिदिसीर्थकादियरुगिन. वालकः
 झायमाल॥ सूर्यसाकि॥ ॥ अथर्थका
 दिप्ररुगिनमामवालकेंदडजालवने॥
 वलकिशनदावमलानवेद्य. वलनगमा
 लाआदिय. ध्यासास. वाचक॥ वसुधनार्थस
 र्थदिलरवनर्थदूनावालिर्क. सयक॥ अ
 नवानकेंदडनयार्ण. जवाननवायधार्थी॥
 लंहावासगयालंभ. कावल. याकनया.

उमवालयाकनयाधवथव३पालयथा
 गा. (थकाय॥ धनदगयवसानलुकोडि) ना॥
 वूगिनिकुमभयागविधानं ॥ ७ ॥
~~अथनामकनर्ण॥ द्वादसदिवसनामकनर्ण~~
 ॥ अथनाम॥ वाक. गया. निष्कुमनकई॥ कि
 प्रियाकधकई॥ वेवधयाजिमरुदकई॥
 स्रयानियनिदुककसूगकयानकनाम.
 कनर्ण॥ ॥ थादकयायमाल॥ उंनामक
 नगनिमिरुकभाटयुजायदधिक. वाक्की॥
 कलेग. सगुल. (मगस. वलिब्वठजा. का
 मानीवा. मानकी. रुलकनग॥ क्कासाया
 गीचाकनगवलि. अमकुडाकाठस॥ जा
 केवानमाल॥ धकन॥ वेक॥ अकलसधल
 गयाव. (मयावननमामथायावधकल
 नसग॥ यत्रिडवालद. आदिनसगुवास
 न॥ लुंभुलिग॥ ॥ वाक. वयागमो
 र्मरुण॥ वेवधयागुकसिंहा॥ ॥ गूडया
 कामसिंहा॥ नकययादान. धी॥ (मनसक
 वठहुवनलावक. नामसथ. (थिनामकय
 मायावयायमालइ॥ ॥

क	ग	म	आ	पू	वा	ज
अ	आ	व	कू	क	कू	ज
इ	उ	व	कू	क	कू	ज
उ	उ	व	कू	क	कू	ज

25
 20
 15
 10
 5

म	पू	उ	रु	वि	स्वा	वि
म	मा	व	यु	य	उ	मि
मि	ट	ठा	ष	था	न	उ
मू	ठि	थ	ल	न	वि	न
म	इ	वि	०	वि	न	गा
अ	अ	य	यु	उ	अ	वि
न	ना	या	रु	रु	अ	स्वि
नी	य	था	रु	रु	अ	स्व
नू	यि	रु	रु	अ	अ	स्व
ना	यु	रि	ध	जि	वि	स्व
ध	ग	यु	उ	न	अ	रु
ग	ग	स	इ	द	उ	लि
गा	स	सा	थ	दा	उ	ल
गु	सि	द	अ	व	वा	ल
ग	सु	दि	व	वि	ल	ला

धादिगस्य विविधैकलसपूजा ॥ ॥
 आलखविद्याशनसाकोमानी हाजामा
 लमशनसामुमाल ॥ ॥ वानेभक ॥
 नामयावद ॥ उन्दविष्णु ॥ धनया ॥
 उंगजासि ॥ सगुण ॥ वज्रजा ॥ वलि ॥ गाय
 सुकोमानी ॥ इवीयिदि ॥ दाकस ॥ उंग
 धीयस्वा ॥ मालाहृदगया ॥ वलंगन ॥ ॥

उज्ज्वलकवा ॥ ददवलि ॥ उज्जाना दि
 उज्जवाय ॥ दमासननेम ॥ उज्जना
 द्याय ॥ जायसाय ॥ ॥ वाज्रधयुजा ॥
 अगुगन्धादि ॥ अन्नसकल्यादि धनकाव
 ॥ भक्ति ॥ युक्ति ॥ कृत्वा ॥ धनवालक
 मामनव्याव ॥ धकादिनिर्मलस्वधन
 ॥ स्यात्तासाव ॥ स्वस्तिकसम्वन ॥ निर्मलकर्म ॥
 उन्नकाहृद ॥ वलि ॥ उज्जवाचदधि ॥
 अर्धययलिवनहाय ॥ उज्जस्तिन ॥ उज्ज
 कलगादिस्नानगनक ॥ मामन ॥ अर्धचन्द्र
 नस्तिन्दुनय ॥ यवीगय ॥ धूप ॥ दीप ॥
 साय ॥ अगुगन्धादि ॥ मगरुताउचान
 सगुगनद्वाय ॥ वालिलीढ विय ॥ हियक
 द्रवय ॥ यालीढ ॥ क्कसासगस्य हिन ॥ पानि
 लीढस ॥ गन्धावननशीक्तावाय ॥ नगलसना
 वकी ॥ ॥ वापनवालिजवद्रससनाम
 कीन ॥ ॥ आवरुनासा ॥ स्ववद्रससकीन ॥
 आठानमालकाव्याव ॥ ग्वालसयादध
 नस्यक ॥ धकादिस्वगव ॥ वापनस्वगव
 ॥ आगनकायाव ॥ अनामिकागुकेन ॥
 उज्जवायस्वाहा ॥ उज्जवादि ॥ ॥ धनकाव
 कलककाययय ॥ ॥ वालिअर्धया
 एलिवनसय ॥ गन्धावननगवके ॥ मव
 वगमनेनि ॥ दारुलस्नान ॥ कक विच ॥

वाक्कलविद किंलदत्वा ॥ वाचनकलठाम्भ
 कसकनस्यावमृतिधकवीय ॥ कल
 भयार्त्तम्वन ॥ थकादिश दिनमाल काय
 ननादिशभावादि ॥ ॐ यद्यथा ॥ वाल
 कयार्त्त ॥ मालकास्तविय ॥ सूर्यशानधि
 यमिच्छ ॥ ॥ कसकनसाय ॥ इदं वा
 विस्वास्त्याय ॥ ददनदाकज्ञानकाववा
 लियार्त्तवियकं दानस ॥ द्रुयादकालि
 कोनयन् ॥ कायशनासाद्यनयायव
 लकसगाय ॥ श्यावशनमावयलाकल
 सभय ॥ वल्लभगुरुलरुंदा ॥ ॐ
 द्वावदाकविय ॥ सूर्यकस्त्रानननुके ॥
 लिहावयावकलठाम्भुदायार्त्त
 के ॥ ददवलि ॥ कलसुदाय ॥ सूर्यसाकि
 ॥ वाक्कलविद ॥ ॐ निनामकल ॥ कलभार्त्तन ॥

भा. निकषुद्धिक ॥ वालिमा मनव्यका
वर्थका दिनला सालाव भा. कानल स्वध
पथया वस्त्र लि. क. स. स. न. ॥ निर्मिच्छन ॥ वरि
॥ अर्धवदनसिद्ध नयुष्य धूय दीप ॥ रुद्र ॥
अरुण ॥ ॥ मधुलसया दस्यन
नक्षत्र ॥ मनीरुगा उचान द्वाय ॥ सयदि
निने द्वाका वरुलया गनया वक. मालका
अगननया व ॥ ॥ रुलया गनया वक
॥ कर्लक वाचक ॥ दक्षिण दान ॥ वाचन
काया वकल गमन ॥ ॥ अलिखक व
ननसिद्ध नयुष्य धूय दीप ॥ सूर्य अज
विधि लिख ॥ ईश्वर पिशाचाय ॥ कोमा
नीयुजा द्वाय ॥ वालिनस र्धनस्का जया
वक ॥ वामन शयनिसंधा कि विद्याव
द्वाय ॥ ॥ धवधवया नयुष्य धूय दीप
इश्वरादी मया दीप ॥ वृगिरुल
या गनया विधिसमाय ॥ ७ ॥
अथषष्ठमा सरुलान्नया गण ॥ का
ययभक्तवचक नक्षत्र ॥ अयवभा
नाद्विदयक नक्षत्र ॥ ॥ मनादिनि
त्यक मधुनका वर्थका दिव्य यादकया
य ॥ ईश्वरमानस्य मूकस्य पुण्डरीकानि
या गननिमित्तार्थ वाक ॥ कल गमदि

5

10

25

स्वारु ॥ ३ ॥ कर्कशादाकादिन के ॥ हृष्टीन
 ॥ राधनिरूल के यक्षावादिन के ॥ लावू
 कागव जात प्यथय कावन के ॥ हुँहन
 मसिस्वारु रुकु निवारु न का न मन व्यो
 ०० गिष्ठु न दाने दाजामा ठसन वायासा
 मि कामस्य कवि भूल मा ठ सनाद्य कामस्य
 मसा ऊचन कामस्य कृता मा या आयुष्का
 मस्या ध्या उक्त वर स कामस्य सर्व सर्व का
 मस्यान्न व ॥ ॥ सेकृत्याभय ० ॥ सर्व
 थाल ३ ॥ ॥ नासिचक वाल के मामनी
 ज्ञानमालगा काय ॥ श्रीवत्सा दिथा साम
 रुहान के ३ कोइन के ॥ जायय कावयेय
 सगर्थ हीन ॥ माल ३ ॥ आग धन याव क
 लिक वाचक ॥ न का सत्य का ॥ मामन ३ ३
 स्वाय माल २ ॥ र्वयाय क ॥ लीखन हाय
 नीग खला मुख सु द्विविय ॥ धन कावधन

हस्तधारसंकाय धनधनकावधन ॥७॥

अथ यत्सर्वं ॥ संख्या कृति ॥ दशम्या
 छि. ॥ भक्ति. यो निका ॥ ब्रह्मलया
 अथ सर्वकल्यादि ॥ ॥ यवधान्यादि ॥
 बलिहृन्दी. दक्षिणदार्ण ॥ संभुवया
 भर्षा. यथा. तस्य क ॥ ॥ ननयुधुवा
 उवक्र. ॥ ॥ ननयुधुवा ॥ जवदास गया
 व. धवकनयुन. नयक. यजमानस्य ॥
 उदवागु ॥ संयुधुवा ॥ उदवागुयस्य
 कि ॥ आससा ॥ जावमधुलकाय ॥ ज
 गभादि ॥ उदवागुयस्य ॥ ॥ अग्नि

नका ॥ ॥ सुकननयाव. कलभातिव
 कं ॥ र्वदनसिधु नसुभाभीर्वा ॥ ॥ स
 र्वज्ञविबुधिया ॥ ॥ वलि. ईखा. विखा
 काय. कोमानी राजाकाय ॥ यः विमर्ज
 नं ॥ सुखसाकि ॥ वाक्कल राजर्न ॥ यजमा
 नन. कोमानी आकुसकाय ॥ ॥ ००
 गिरुलान्नया वनविधि. समार्क ॥ ॥

अथ वृजकनका कर्तुं विधिः ॥ दद्वि
 यत्वा. विदयत्वा. वृदयत्वा नव रानक
 संधकादिमं. यादकयाय ॥ ॥ अमुकस्या
 वृजकनका कर्तुं दद्वि निमित्तक. आ
 लुपयिक. वृद्धि आर्द्धवार्क ॥ सुखेदी
 दि. विविधयादकयाय ॥ ॥ आवाद्य
 स्र्दसकत्रयायके ॥ ॥ अमुकस्या वृजकन
 का कर्तुं दद्वि गणगुनुना गमकृत् वाक्क
 विविधेर्दसकर्म याचक. भगवृचका
 वायमाल ॥ ॥ यनयन वृष्वेष. नकासू
 यविधिक्रिया ॥ ॥ अक्षरनलर्ननु. कोमा
 नीसूत्रभातिर्न ॥ दाकि भवर्नन युत्सावा
 मवर्कसि यः ॥ ॥ आदियादिकु मनेव
 याजयसू रमालिका ॥ विगान. लुयसा
 याद्यका नयेत्सू. द्विवाक्क. पुर्वानना

विधानसामान्यी ॥ सुखसिद्धि ॥ ॥ ॥ तव
 दकासभयधन ॥ ॥ आर्द्ध. लवणगुर्नवेव. न
 उनीमदनसूत्र. यातिवानीचमका नि. यू
 गलाजासमर्क ॥ ॥ अमुकस्या कर्तुं सुखं
 याचनवनाउय ॥ ॥ सुखावृ विवाह. याय
 यहुहमालिका ॥ ॥ आर्द्धयाधु ॥ ॥ ई
 सनकर्म ॥ ॥ युवाकथन. सलिमला ॥ ॥
 गणयति. दद्विलिर्क. अकविक्रना गनाउ
 र्क ॥ ॥ गनयति सगु हाउवसव लिहास्ववस
 ॥ ॥ दवनर्क लासगर्क. कोमानीसूत्र ॥ ॥ यात्
 आदिन ॥ ॥ युजर्न ॥ ॥ अमुकस्या ॥ ॥ युषरा
 जर्न ॥ ॥ यथागुत्रयद. लनयुजा ॥ ॥ नवय
 वलिर्क जावना दि ॥ ॥ विधियुजा ॥ ॥ यि
 नायनिमकुनकायमाल ॥ ॥ ॥ गणनी
 त्या ॥ ॥ अर्द्धवृक्षग ॥ ॥ नमासुसर्कया ॥
 ॥ ॥ आदिषु कलर्न ॥ ॥ अर्द्धविक्रमा ॥ ॥ अर्द्धी
 र्कयाय ॥ ॥ अर्द्धया ॥ ॥ रुलिनी ॥ ॥ अर्द्धनखा ॥
 ॥ ॥ रुमालिका ॥ ॥ अर्द्धाक्ष ॥ ॥ अर्द्धनमः ॥
 ॥ ॥ सुवायच ॥ ॥ अर्द्धसुखसिद्धि ॥ ॥ जायसा
 ॥ ॥ गणयत्यादि ॥ ॥ अर्द्धगन्धादि ॥ ॥ लिगान
 वलिर्ककादि निष्काय. लवधालथसीला
 सालावद ॥ ॥ सुखसिद्धि ॥ ॥ चनयति ॥
 अर्द्धानुना र्कया ॥ ॥ सुखनर्ननके ॥ ॥ मगरु

गठवानदाय ॥ कमनासनि ॥ कोमानीकासः
 कजितहाय ॥ गगनवृन्दकावाय ॥ गीविर्द
 ढन ॥ स्वयम्भुत ॥ कायउसवय ॥ अदवा
 पनवदावरुससन ॥ ॥ लाहातस ॥ वत
 नस्रसि कवाये ॥ गगनवृन्दकालाहातसन ॥
 वाक्कलयुजा ॥ दकि ॥ अतिथुर्क ॥ वत
 सिंखसुगु ॥ भावोद ॥ वीसर्जन ॥ ॥
 सरुंशानवियुतिष्ठा ॥ सलिमलासवजि
 खयागयाव ॥ ध्याकाथानि ॥ मासधल
 याचके ॥ सलिमलासनामकायावविर्द
 न ॥ लासालावर्यका वखदाव ॥ सगुलध
 निवयेनविचके ॥ कर्नककाय ॥ वापूजा
 क्षयमाल ॥ कक्षालयाक ॥ कोमानीयाआ
 क्सकायाव ॥ गगनवृन्दका ॥ कियक ॥ गमया
 चनग ॥ गदाहावरुनिडावा ॥ इसनहा
 उकनीकान्कधनके ॥ ७ ॥

गगनयागसुानादि निर्यकर्मकानथ ॥
 द्युतिगयके ॥ वक्राश्रुदकलण ॥ यिनाय
 क्रीड ॥ नागयक्यक ॥ गीलकीदिधक
 क ॥ वायकेमाल ॥ द्वावाँद ॥ यिनायक्रीड
 अनिनि ॥ वाक्कुरुषानि ॥ लसायावकाय
 वक्राश्रुदकलण ॥ नागयक्यक ॥ गील
 लकी ॥ बलि ॥ गगनवृन्दका ॥ मालका

वायाव ॥ सगुलसवमुन ॥ वन्दुमधुल
 सवाकरु निनीरुद ॥ नादिन ॥ समिध ॥
 इविन ॥ वट ॥ वरुंग ॥ यिनाकरुन ॥ वृसि
 वला ॥ लुँगुलि ॥ कगवा ॥ धतन ॥ ॥ रुलक
 न ॥ यावयामालकागय ॥ अनिनीवाय ॥ वक्रा
 याजवदास ॥ सलावयाग ॥ ॥ गगनवृन्दका
 धायधनकावत ॥ कोमानीवानन ॥ ७ ॥

अथर्थादिर्द ॥ अँ ॥ अयादि ॥ यादयुकार्द
 धर्धनिर्धकादिर्द ॥ यादकयाय ॥ वक्राया
 रनर्नगक ॥ ॥ गगनयादि ॥ अनयानर्नगक
 यरुयागुलिङ्गवधका ॥ ७ ॥

अथवक्राश्रुनयायके ॥ आचउन ॥ ध्वधन
 कलणधवर ॥ धा यमनयके ॥ वावर्ज ॥ वृ
 वसधीवक ॥ ॥ दकि ॥ गसयुलीक ॥ ॥ २ य
 धिमसधज ॥ ३ उरुचसकलर्सी ॥ ५ अ
 धसगर्गव ॥ ३ उरुसकलर्सी ॥ ५ वक्रायाज
 वस ॥ दा ॥ ॥ रववस ॥ यामल ॥ ६ ॥ यक्रयक
 ला विष्ठाकइया ॥

अथर्थादिर्दकमालया ॥ लख ॥ धानध
 सीलासालावयकलि ॥ कासस्रसिकसं
 न ॥ निमोचर्न ॥ ३ उरुकाद ॥ ॥ वलि ॥ अँ ॥
 धवावद ॥ लखनहाय ॥ ३ उरुसिन्न

मि. निविष्ठासदाख्ये ॥ ॥ आहूति ॥ ३ ॥
 उं दृष्टीगत्यायवम् ॥ १०० ॥ उं दृष्टयम्
 न ॥ पुष्पुष्टिगिष्ठा ॥ जवदा निवास थिय
 एवान ॥ ॥ पुन ८ काकलीखन यलमकु ॥
 मिलिवास ॥ उं सविणयसुगदवायुवव ॥
 वसिवानसखयमकु ॥ उं दार्थायुष्मा ॥ क
 ॥ विलाखसि ॥ निसयमकु ॥ उं डाय ॥ ध
 गायपुवव ॥ आहूति ३ ॥ उं आयगत्वा
 यविष्ठाव ०० ॥ उं वृद्धविष्ठा ॥ पुष्पुष्टिगिष्ठा
 मिलिवास थिय ॥ ॥ पुन ८ काकलीखन
 खवदसुयलमकु ॥ उं सविणयसुगद
 वा ॥ वसिवानसखयमकु ॥ उं दार्था
 युष्मा ॥ क ॥ वलीग ॥ सखयमकु ॥ उं डाय
 धगायसुस ॥ ॥ आहूति ३ ॥ उं नजन
 लायनिवाय ०० ॥ उं नम ८ नसुवायव ॥
 पुष्पुष्टिगिष्ठा एवानखवदसुयलमकु ॥
 पुनकाकलीखनखवदसुयलमकु ॥ उं सविणयसुग
 मकु ॥ उं दार्थायुष्मा ॥ क ॥ वलीग ॥ सख
 यमकु ॥ उं डाय ॥ धगायसुस ॥ आहूति
 ३ ॥ उं दार्थायुष्मा ॥ ०० ॥ उं
 वय ८ सामवेग ॥ पुष्पुष्टिगिष्ठा पुवकया
 लवास एवानलाय ॥ ॥ पुनकाकलीख
 न. वसयाउसथाय ॥ उं सविणयसुग ॥

२० उं सविणयसुगदवायुवव उदकन आगनू २०

वसिवानसखयमकु ॥ उं दार्थायुष्मा ॥
 क ॥ वलीग ॥ सखयमकु ॥ उं डाय
 धगायसुस ॥ आहूति ३ ॥ उं दार्थायुष्मा
 यसदालिवाय ०० ॥ उं निवानामासि ॥ पु
 पुष्पुष्टिगिष्ठा एवानखवदसुयलमकु ॥
 नगामाउनयुजा ॥ उं माउनाय वृद्धमा
 सुन ३ ॥ हलायवदनादि. वियावदकि
 एवलखिलकाय ॥ लिमिलिस. पु ३ ॥ पु
 वारुसासखिग ध लिमिवास वदसुयलमकु
 लानाय. नीनिनकनक. सखयक ॥ ॥
 नगसुवलाय ॥ उं वृजकन पुसुमरुम
 मु ॥ मयानखानकनकनमकु ॥ उं निवा
 नामासिखिगिष्ठा धिगानमकु पुमासा
 हि ० सी ॥ ॥ निसधियमकु ॥ उं निवह
 यामायुषनाद्याययजासायसुवीर्याय
 ॥ ॥ उदनमकु ॥ उं यनावयसुविना
 कनवसामसु नाखवदसुयलमकु ॥ नि
 नवकु ॥ धवयगदमसायुषयनदविष्ठा
 धस ॥ धगाक ॥ धदावस ॥ नमयसुग ॥
 धगाक ॥ धया ॥ ॥ पुनखानकन
 मयान ॥ मकु ॥ सखियमकु ॥ उं निवहिया
 मयुवव ० ॥ ॥ उदनमकु ॥ उं दार्थायुष्मा
 ॥ सखियमकु ॥ धगाक ॥ धया ॥ पुन ८
 खानकनमकु ॥ उं निवानामासि ॥ स

सवियमलु ॥ ॐ निवर्कयाम्या ॥ कदनमनु
 ॥ ॐ यत्ननिष्ठनादिव द्वाकचयव्यावि
 सूर्य ॥ गननवयामिठुक्र ॥ जीवतवजी
 वनायसुसथ ॥ स ॥ गमयसग ॥ धनड
 रुनस ॥ ॥ कुनठ ॥ ठनयन ॥ मल ॥ ॐ नि
 वीनामामि ॥ गमयियमलु ॥ ॐ निवर्क
 याम्या ॥ ॐ कदनमलु ॥ ॐ शायव ॥ ॥ गम
 यसग ॥ धनयव्या ॥ ॥ अथभाउस
 खिलनठायकमलु ॥ ॐ यत्नवमकु
 यतासव ॥ वद्वानवयनिक ॥ नकुमि
 निनामास्याय ॥ यमायी ॥ ॥ अथक्रम
 न ॥ रावनायाय ॥ मयान ॥ लीमून ॥ ॐ कधु
 रुदसुमृकमसु ॥ ॥ नाविगयुजा ॥ ना
 विगयालाकागस ॥ वगनस ॥ किकयाव
 ॥ धयुजायाकाव ॥ वानदकि ॥ विय ॥ म
 यान ॥ ॐ अकुचयविवद ॥ ॥ नड
 स ॥ वाचक ॥ निवावाहि ॥ कन ॥ यानलाव
 कमनव ॥ ॐ मूर्खनदिवा ॥ अनमिपृथि
 यावे ॥ याननमृग ॥ अजागम ॥ नि ॥ कवि
 स ॥ उममिपिडिना ॥ नामास ॥ नाया ॥ उम
 यकदेवा ॥ ॥ कविद्रुक ॥ निवा ॥ ॥ क
 विरुनिवा ॥ कविलय ॥ निवा ॥ ॥ धन
 सवानीयथ ॥ ॥ ॐ ॥ ॥ ॥ धनडनवा
 दास ॥ वदुम ॥ ॥ सुरुयावग ॥ ॥ यन

लेन

नैकसवनक ॥ ॐ रुदक ॥ ॐ रुदक ॥ ॐ रुदक
 वाम ॥ ॐ रुदक ॥ ॐ रुदक ॥ ॐ रुदक
 वनडम ॥ धनवियक ॥ धनीवा ॥ गयाव
 सविासवायक ॥ ॥ अक्र ॥ वामा ॥ ॐ रुदक
 थन ॥ ॥ ॥

थकादिनीस्यलासालाव ॥ वावाययाजव
 विनस ॥ किकसुवन ॥ मगरु ॥ गाउवान
 सगु ॥ स ॥ द ॥ स्यावविय ॥ ॐ वसायवि
 ॥ ॥ गमवावन ॥ गी ॥ व ॥ गुन ॥ निनालयन ॥ ॥
 सनावसकाकु ॥ विनि ॥ ग ॥ रुद ॥ कागया
 व ॥ धनद्वाय ॥ ॐ रुदक ॥ निनामि ॥ ग ॥ रुद ॥ का
 नक ॥ वायक ॥ ॐ रुदक ॥ वि ॥ स ॥ रु ॥ सु ॥ सा ॥
 यासाद ॥ वि ॥ नि ॥ वि ॥ य ॥ ॐ युजा ॥ य ॥ ग ॥ न ॥ ॥ य
 वाकेन ॥ व ॥ दा ॥ व ॥ न ॥ रु ॥ य ॥ ॥ व ॥ ध ॥ न ॥ सि ॥ थ ॥ न ॥
 सगु ॥ ध ॥ गी ॥ वी ॥ दी ॥ ॥ ॥ अ ॥ वि ॥ नि ॥ न ॥ द्वा ॥ य ॥
 ॐ नम ॥ ॥ ग ॥ रु ॥ वा ॥ य ॥ च ॥ ॥ ॥ हा ॥ सा ॥ न ॥ ग ॥ म ॥ ल ॥ क
 ॥ ॐ ग ॥ व ॥ वा ॥ य ॥ ॥ ॥ वा ॥ क ॥ रु ॥ वि ॥ नि ॥ न ॥ ॥ ॐ
 वृ ॥ रु ॥ स ॥ ग ॥ रु ॥ दि ॥ ॥ ॥ ॥ गि ॥ न ॥ स ॥ न ॥ ॥ ॥ ध ॥ न
 ॥ ॥ अ ॥ रु ॥ मि ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॐ ॥ व ॥ रु ॥ य ॥ रु ॥ न ॥ ॥
 अ ॥ रु ॥ मि ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॐ ॥ व ॥ रु ॥ य ॥ रु ॥ न ॥ ॥
 ॐ नम ॥ ॥ ग ॥ रु ॥ वा ॥ य ॥ च ॥ ॥ ॥ ध ॥ स ॥ य ॥ ल ॥ ग ॥ रु ॥ वा
 न ॥ ला ॥ य ॥ म ॥ ल ॥ ॥ स ॥ रु ॥ अ ॥ न ॥ वि ॥ य ॥ नि ॥ द्वा ॥ ॥ ॐ
 म ॥ न ॥ ॥ इ ॥ नि ॥ इ ॥ न ॥ ॥ ॥

नसियामनामामलु ॥ ॐ रुदक ॥ ॐ रुदक ॥ ॐ रुदक
 दि ॥ ॥ ॥

तगः संस्थापति ॥ नाजादस ॥ भक्तिकथ
 विष्णु ॥ वाक्पद्युजा ॥ यवधन्यादि ॥ वलि
 पूजा ॥ नैवेद्यदर्शन ॥ शान्तिरुहाम् ॥ व
 लिहय ॥ भक्तिभक्तान ॥ मंगुवेयागर्न
 ॥ तगः पूरु ॥ उंदबागभु ॥ उं आया
 य ॥ आससा ॥ जायकाउ ॥ अरुणकाः
 दि ॥ उं मनुया ॥ वसि ॥ वक्रालम्बन
 अरुणक ॥ वन्दनसिद्धनसद्युधभा
 वीद ॥ सरुशानाधियुक्तिया ॥ ॥
 कलभकायना ॥ वक्राकभग्या ॥ धीः
 वक्रुयुनादिगयार्ग ॥ यम. विदित्ति
 धुंज. मिजनधकादि ॥ कनसमिसाध
 कादि ॥ वामल. नाकाधकादि ॥ मरुः
 केरुकेल ॥ भिद्व. नड ॥ शीलश्रीकभ
 न ॥ यरु. विद्व. न ॥ सरु. भक्ति ॥ वाः
 आरु. धीसिमासमयोव. वक्रालम्बः
 नलुय. विवनेन कुमानवाइगहयव
 धगु डिअषककायके धानादिनहा
 यकावशना ॥ चिनायकउ झाय ॥ ई
 स्वापिवाकाय ॥ कीमना राजाममान
 ॥ वाक्पद्युजा ॥ ययभदयितिनिक
 अनिवि. भगवृन्दकाआदिन. थवरस
 दगुनिशसक झाय ॥ यीकुलिर्वगव
 ॥ सनिकुङ्कनय. पूजाराष्ट्रिस्. मरु

२८ गकर्म ॥

यकैठ ॥ कुमानवानदगु विसआरुस
 ननारुनके ॥ वृत्तिबूजा कनदीकधु
 रुद विधि ॥ समाक ॥ ७ ॥

सुधवड्कर्मयनियाठि लिखात ॥ नः
 कसकमानयाकचायुजायाकाव. व
 आश्रवके ॥ ॥ वाननरवयकीदादन
 की. गगयतवीठिपूजा. यादकयाय. धीः
 कादिसी ॥ यीकुद्व. वक्रा अरु कलभना
 गय. यकयकवा. शीलश्री. चिनायकउ
 याभदयिठिठिलीसीसीईकाय ॥ यथिना
 न ॥ ॥ वक्रासंधयठक. चयव्वरु २ लुवि
 कति ॥ ॥ याया ननवाचके. वक्रा अरु
 कलभदि ॥ मालकाठ ॥ ७ ॥

वाक्पद्युजासुदलेगद्वनय. यादना
 कतिया एकादभभ ॥ वैष्णवाद्यादभ
 द ॥ धनववसडयनयन ॥ ७ ॥

ईसनकाद्वुआदिनयिठिसिआवायैथका
 दि ॥ थकादिनकिनि ॥ दगुलिनि ॥ हा
 मयायिवय मालकास ॥ लुसियाचका
 ताननिरुकर्मआदिनधनकाव ॥ ७ ॥

धकादिस्थानादकयाय ॥ कोमानीपुमा
 ल ॥ उं यजमानासु कस्य उपनयनं गिः
 मोक्षिर्वधनसा विधीयेत नवदानं र
 उयनिमित्तकमायुदे कथादकवृ
 द्विषाई ॥ चापूजा विनायनिमित्त
 कुनकाय मालः ३ ॥ ३ ॥ लया विधि

आचार्यस्य इत्यनयायके यथा विधि
 कथ्यता ३ ॥ शगवृद्ध का वायमाल ॥ वा
 क्रधपूजा नंदकि ॥ वाचनजलेन अ
 रुधकोद्याधीर्वा ॥ सरु आनयिपुतिः
 द्य ॥ मासद्यउयाद लासाल के वकावः
 कोमानीस आकस कायावनाउग शगवृ
 द्धकाथयोय ॥ उं आडलवन मुर्तयेवः
 खादि ॥ ॥ मामनमनवले वसुदि पुय
 के कियनिगन ॥ ॥ इमलराजकर्नकाः
 र्क ॥ ववानिगन उकिर्सा ना योलावदन
 धन ईसन या यगीयागइना ॥ ७ ॥

सक्रिया ॥ यज्जगय के ॥ यागज्ञानादिनि
 सकर्मकृत्वा ॥ यज्जगय कलनागयक
 यकदी छील श्री माल का वाय ॥ वरु मधुल
 ॥ विनयिक पुष्यय २ मलं ॥ अदिनी
 काय ॥ फलं मय २ ईधन ॥ रु विनि ॥ धसाग
 दलं सास्य ईकाय ॥ यादकयाय मालथ

कादिस्थान ॥ ७ ॥
 अधश्चाजस्य विधि ॥ धृक्का जैनयायक
 ॥ यधन ॥ अष्टकल मथवरं धायसग ॥
 नागयकयक लोधवरं धायससान ॥ एत
 श्री ई विस्तीरुन ॥ ७ ॥

अथयज्जगय पुययाय कलिसलासालावर्ल
 खधनथस्य सुलिकसमान वसावर्कस्वन
 ॥ गानिर्धन ॥ निमिच्छने ॥ उं नक्रोरुर्न ॥ व
 लि ॥ उं अथवायद ॥ वावक ॥ अथया
 लयनहाय ॥ उं सुस्मिन्नब्द ॥ ॥ वज्र
 दिस्वानर्गनके ॥ धृयदीयस्तु ॥ अणगध
 दि ॥ ॥ धसाकायदगु लिदवर्क वका
 वइना ॥ ॥ पूजाधूनकाय ॥ धकादि
 स्थिमगर्दनाउवानसगुधनलायवचुयधु
 लहानहाय ॥ युवालिमि ॥ चागमास का
 लवकन सउलाका धनहाय ॥ उं सुस्मिन्वा
 चर्नय ॥ १० ॥ सुकयधन ॥ धकनगसगा
 न ॥ उं काधुत्को ॥ ७ ॥ मूर्द्धिललाठ रुस्मि
 रुदिजानोयादो रुष्टिकम ॥ यादामूर्द्धीः
 र्कयनय ॥ मूर्द्धीदियादानीस्मिनि ३ ॥
 धनसं कालन ३ ॥ सायदद ॥ ॥ उं
 दीधायुस्मा ॥ ॥ चन्दनसिधूलसगुध
 गीर्वा ॥ सरु आनयिपुति ॥ ॥ उं मना
 इति ॥ मासद्यउयावक ॥ कसमलासजाः
 लउ २ मासलं वचुउ उगला रुमास ॥ ला

सायकवस्यलिकसस्यकडयकनय
वक ॥ नायिकयुजायाव. खालकन
वदकि. कडाय ॥ वदमधुलसगयाव
॥ सीवावक. लूसियावक ॥ भाउकय
क ॥ अरुवमुनगयावकमानवा ॥
धनसुखययाविधि ॥ ७ ॥

थकादिनीसालासावावयकलिसस्यलि
कसस्यन. वसावक ॥ निर्मकन ॥ उनेका
रु. व. वलि ॥ उअधवावद ॥ अरुयाव
लवनहाय ॥ उअलिन. रु. ॥ मगरुः
गाउवासुधनहाय ॥ अरुयाव. लवन
नहायकमानवा ॥ वरुविय ॥ रु. निनि
क्याय ॥ थकादिनी ॥ उगागानमिड. वाव
कनसि. न. वसु. ध. गी. वी. द. ॥ ॥ गत
वृ. क. न. का. वा. य. क. ॥ उअरुसा. वि. सः
रु. स. ॥ ॥ य. ध. द. वि. टि. नि. ग. वा. व. विय
॥ उअयुजाय. ग. न. व. ॥ व. दा. व. न. क. य. ॥
अ. नि. नि. न. द. य. ॥ उअन. म. ॥ ग. रु. वा. य. व. ॥
हा. सा. न. ग. य. क. ॥ उअ. व. वा. य. ॥ स. रु. वा.
न. वि. य. नि. क. ॥ उअ. म. ना. रु. ति. ॥ मा. स. धः
उ. या. व. का. व. ॥ सा. सा. ल. य. न. क. वि. न. थ. य.
स. स. वि. क. स. स. व. न. ॥ दा. य. ॥ ध. नी. रु. नि. ति.

वजिनककमानवा ॥ वयवावक. क
नकस ॥ ग. ग. वृ. द. क. ॥ रु. नि. नि. का. ना. या
व. ग. ना. व. स. क. ॥ ध. न. रु. ति. नि. क. या. या. ॥

अथपुनरुस्यहामयाय ॥ क. ग. धी. क. म.
न. ॥ ॥ य. ध. ३. वि. धि. म. ल. क. ल. स. ग. म. व.
न. ॥ ॥ अ. र्थ. य. दा. सा. ध. न. ॥ उ. य. य. म. न.
क. ग. का. य. ॥ अ. नि. द. ग. क्रि. या. य. य. न. क. र्ता.

गतः कमानवानासिचकाव. थकादि
नीसालासावावयकलिसस्यलि
यकलिदिसास. या. सा. व. क. स. व. न. ॥ स्वा.
न. मा. ला. आ. दि. र्थ. ॥ अ. ल. का. न. ध. ति. य. का. व.
॥ ध. न. पु. न. र्थ. व. सा. या. व. वा. न. ॥ क. मा. न.
वा. ना. सि. या. व. ॥ स. र्थ. ध. ॥ प. य. रा. ज.
न. ॥ पु. न. म. धु. ला. उ. न. नि. मि. र्थ. य. ॥ पु. न.
रु. क. वृ. द. मा. स. न. म. य. य. ॥ सा. दा. र्थ. ॥ रु. क.
व. व. द. न. य. ॥ आ. य. वी. न. ॥ य. य. रु. ल. धु.
य. दा. या. दि. ॥ का. ग. ॥ उअ. र. व. धु. म. धु. म.
धु. ला. का. न. ति. ॥ पु. न. र्थ. म. धु. ल. का. न.
य. ॥ आ. व. द. ना. क. न. ॥ रु. मी. स. हा. य. ॥ ७
उअ. म. धु. के. रु. म. द. न. रु. नि. ति. सि. व. स. ध. य.
॥ रु. दा. व. स. म. ना. थ. य. ॥ सि. ध. मि. र्थ. य. वा.
नि. ध. ॥ ॥ ध. नि. ता. य. वि. वा. य. न. ॥ गी. ध.

[illegible][illegible]

गुप्स्यं ददयालं नया यवद्वया कं ॥
 ॐ ममवर्गं ददयं दधामि ममवर्गमन्
 विहंगमस्तु ममवाचमकमनायवस्यः
 वृक्षस्य निष्कानियूनकुमर्क ॥ ॥ गुप्स्यं
 स्यं जवलाहा ० ठाढनामगाय यदय ॥
 कानामसि ॥ ॥ वद्वनयउय ॥ ॐ ग
 र्गस्यगाय यश्चयवल शीज्मकद्व
 सामगमोदीहा ॥ गुप्स्यं यउय ॥ ॐ
 कयवप्रचयसि ॥ ॥ वद्वनयउय ॥
 रवग ॥ ॥ गुप्स्यं धाय ॥ ॐ ॐ ॐ ॐ
 वप्रचयसि ॥ ॥ वद्वनधाय रवग ॥
 गुप्स्यं धाय ॥ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ ॐ
 ॥ ॥ वद्वनधाय ॥ रवग ॥ ॥ गुप्स्यं
 दयालं ० ठाढववयउयमल ॥ ॐ ॐ

दुन्सी वाट ॥ ॥ पुनः स्यात् ॥ सप्त
 मा (वेदि) ॥ वदुस्य वाट ॥ ॥ पुनः स्यात्
 भाग ॥ नित्य स्यात् ॥ रवण ॥ ॥ वदुस्य
 वाट ॥ ॥ पुनः स्यात् ॥ भाग ॥ ॥ पुनः स्यात्
 नैक ॥ ॥ वदुस्य वाट ॥ ॥ पुनः स्यात्

भाय गज्जन्तु न कर ॥ ॥ वदस्य वाट ॥ ॥
 वाट ॥ ॥ गुत्तस्य भाय गज्जन्तु न कर ॥ ॥
 जन्तु न कर ॥ ॥ वदस्य वाट ॥ ॥ गुत्त-
 त्स्य भाय गज्जन्तु न कर ॥ ॥ वदस्य वाट ॥ ॥
 ॥ वदस्य वाट ॥ ॥ गुत्तस्य भाय गज्जन्तु न कर ॥ ॥
 गुत्तस्य भाय गज्जन्तु न कर ॥ ॥ वदस्य वाट ॥ ॥
 ॥ गुत्तस्य भाय गज्जन्तु न कर ॥ ॥ वदस्य वाट ॥ ॥
 वदस्य वाट ॥ ॥ गुत्तस्य भाय गज्जन्तु न कर ॥ ॥
 हादयदमासना वदस्य वाट ॥ ॥ वदस्य वाट ॥ ॥
 दस्य वाट ॥ ॥ गुत्तस्य भाय गज्जन्तु न कर ॥ ॥
 वदस्य वाट ॥ ॥ वदस्य वाट ॥ ॥

गुत्स्य आय ॥ वदयथन कृत् ॥
 गुत्स्य आय ॥ दादगवर्षवर्गवर्ज
 ॥ ॥ वदस्य वाट ॥ ॥ गुत्स्य नस
 धनमनव ॥ ॥ गुत्स्य आय ॥ उधा
 नकृत्तनिनयद्वादिबर्जनकृत् ॥
 वदस्य वाट ॥ ॥ गुत्स्य आय ॥
 उधावया द्दुद्वाटवार्कवर्जनकृत् ॥
 ॥ वदस्य वाट ॥ ॥ गुत्स्य आय ॥

मन्त्रार्थादथावर्जनं कुरु ॥ ॥ वदस्य ॥
 वाटं ॥ ॥ गुरुस्य धारय ॥ सूर्यसमयनः
 मीगमनवर्जनं कुरु ॥ ॥ वदस्य ॥ वा
 टं ॥ ॥ गुरुस्य धारय ॥ अदलादानव
 र्जनं कुरु ॥ ॥ वदस्य ॥ वाटं ॥

25

20

15

10

٧

लुआदयः सन्धिः ॥ नानादवावाधर्माय
 लुनमुद्राविर्यमानिचमशयायनयो
 कृपासंस्वरः ॥ ४ ॥ शार्ङ्गयसावल ॥ ॥
 कथयन्सत्यादावधननवककमान
 ॥ ॐ शाययजमद ॥ ॥ रसनायलादशी
 वायादक्रिषवाद्रुमूलद्रुदिनिलकका
 यय ॥ ॥ मृगिआशावीर्द ॥ ॐ अग्निपृ
 वि ॥ ॥ ॥ वदआत्माशावीर्द ॥ ॐ वृत्तन
 दाक्रामायाति ॥ ॥ वदविक्राकावक
 जाकेनमामन ॥ वददशुकाय ॥ ॥
 दावर्कयतिसर्ददावयान ॥ ॥ थथसा
 दाववदुनधाय ॥ ॐ रुवतिरिक्मिद
 रि ॥ ॥ ॥ शिवासावादलेख ॥ वदुनव
 सनाउते ॥ ॐ स्वस्ति ॥ ॥ मासयुमान
 नसकलस्यैर्नहिकाकाय ॥ ॥ पुत्रवद्धि
 वियमाल ॥ वद्धिनवदुयाग ॥ तलदा
 स्यैर्लदावजाधय ॥ ॥ ॥ शिक्करुवतिमु
 दहिनाजन्य ॥ ॥ ॥ शिक्मिदहिरुव
 तिनाजन्य ॥ ॥ ॥

[illegible]

संका व ॥
संका व ॥ संका व ॥ संका व ॥ संका व ॥
क ॥ संका व ॥ संका व ॥ संका व ॥ संका व ॥
क ॥ संका व ॥ संका व ॥ संका व ॥ संका व ॥
क ॥ संका व ॥ संका व ॥ संका व ॥ संका व ॥
क ॥ संका व ॥ संका व ॥ संका व ॥ संका व ॥

[illegible]

वदुःखं ज्ञात्वा नर्ष ॥ पूर्ववत् ॥ अग्ने
 आशीर्वादे ॥ बुद्ध्या यधीत वीस ऊर्न
 ॥ वाचनं जलनालिष के ॥ वन्दनं सि
 द्धुलं सधुन आशीर्वादे ॥ उं न नूपा
 ॥ अग्ने सिनि ॥ यज्ञ विस ऊर्न ॥ (वीषा रु
 न्नि यदानं ॥ ००० तिष्ठन् वन्दन विधि ॥

वदुःशाययन्त्र ॥ वदुःनाचम्या ॥ वदुःन
वसाम्यदं वदुःकियतिसवा वदुः
वदुःकियतिसवा वदुःकियतिसवा वदुः

市

नाशिकेष्वाङ्गिनगदन ॥ पृष्ठाङ्कः
 अवलम्बयामकमाल ॥ इदं
 शकलिवकोव ॥ ॐ ॥ स्नानविधि
 उद्दिष्टवनवत् ॥ ॐ ॥ कांया

काव. मध्याह्निक का संस्कार। अग्निकुशुया
सहस्रयाय के। अज्ञातिकर्म. शिकार्कः
स्वयं वाचिवै नमस्तव। स्वयं कृत्या. धर्मे
कृत्या. वि. ॥

नमो भगवते वासुदेवाय ॥ विष्णु कथो ॥
 ॥ वेददीक्षा वीर्य ॥ वदुया निरयस्मानसः
 ॥ अङ्गुलिकर्म यावत्क ॥ गुत्स्नानादि
 नित्यकर्म धनकावो ॥ द्रवदयवदकयाय
 माल ॥ उं वदानमुमाह ॥ अहं यद्विकव
 द्विष्टाह ॥ वाक् ॥ ॥ नियचिदं वृक्षजा
 लिया ॥ दक्षिर्वृत्तव ॥ स्वलावृत्तव ॥ डि
 मनद्वृत्तव ॥ स्वद्वृत्तव ॥ स्वचाः
 यद्वृत्तव ॥ स्वद्वृत्तव ॥ उद्वृत्तव
 ॥ वेददीक्षा भयगीयदानं ॥ ॥
 गुत्स्न ॥ उं अद्यादि ॥ पृथराजनी ॥
 वृक्षा अष्टकलशवलि ॥ वृत्तजासः
 गुहवदिष्टां ॥ अदि ॥ यूजासुखः
 वदन ॥ ॥ गुत्स्निकृष्टां ॥ अदि ॥
 य ॥ यथा ॥ विविमर्त ॥ अकलशः
 न ॥ अर्थवदासाधन ॥ अद्यादि ॥
 अग्निनाम ॥ उं समूर्द्धवा ॥ अद्यादि ॥
 ॥ वृत्तदक्ष ॥ अद्यादि ॥ अद्यादि ॥
 वृक्षादि ॥ अद्यादि ॥ अद्यादि ॥
 अद्यादि ॥ ॥ अद्यादि ॥ अद्यादि ॥
 अद्यादि ॥ ॥ अद्यादि ॥ अद्यादि ॥
 अद्यादि ॥ ॥ अद्यादि ॥ अद्यादि ॥
 अद्यादि ॥ ॥ अद्यादि ॥ अद्यादि ॥
 अद्यादि ॥ ॥ अद्यादि ॥ अद्यादि ॥

३ तस्यैव कर्मसमय ॥ पूर्ववत् नूतन ॥ अक्ष
कसादि कर्मसमय ॥ यथा कृतं तथैव ॥ अक्ष
अक्षिकर्म ॥ शिवाय नमः ॥ ३

नमो आचार्ये ॥ सर्वोद्धारार्थं ॥ कथायां ॥
 भाग्यकथोच्यते ॥ वाक्पुत्रं पूजा ॥ यत्तु
 न्यायि ॥ त्रैलोक्यदानं ॥ ननु यदर्थं ॥
 वाक्पुत्रं पूजा ॥ कल्याणं ॥ यत्तु दीयते ॥
 कारुण्यं ॥ यत्तु धर्मं ॥ यत्तु धर्मः ॥
 दिव्यं ॥ १०८ ॥ वलिविमर्शने
 ॥ दक्षिणदानं ॥ सर्वं पुत्रं ॥ नमो ॥
 पूज्यं ॥ उं पूज्यं उच्यते ॥ उं आयाय
 स्मृति ॥ उं सर्वं धनं ॥ कुं धनं इदं
 या ॥ आर्तसाय ॥ उं मन्त्रा ॥
 तु ॥ जायमानं ॥ उं जलदायस्य ॥
 जगन्मन्त्रि ॥ ॥ अग्निमाहीर्षीर्षी
 ॥ उं अग्निजिह्वि ॥ अग्नेय ॥ उं यस्य कू
 म्भी ॥ पुत्रं ॥ उं पुत्रं नदीका ॥ वटं
 ॥ उं उल्लिख्यते ॥ वक्रावृत्तिवि
 मर्शने ॥ उं ननु या ॥ मन्त्रं ॥
 कृष्णं ॥ उं नवके वटं ॥ उं आयाय
 र्षं ॥ ॥ वक्रादिश्रुतिं कचन्दनं
 दूलसं ॥ कलहालिषं कचन्दनं
 मन्त्रं ॥ कलागलाय कं ॥ यत्तु विमः
 र्जने ॥ वक्राया ॥ कचर्थं सिमासखा
 वलं खलुस्यं ॥ धूलं खनयति यं कः
 कायं ॥ चिनाय कचन्दनं ॥ वक्रादिश्रुतिः
 यं कं ॥ नमो वाक्पुत्रं ॥ वक्रादि
 ययं कं ॥ ॥ वक्रादिश्रुतिं न विधिः ॥

नमो ॥ वाक्पुत्रं ॥ सुधीर्षीर्षीर्षी
 धुकाद्वृत्ति ॥ मां सुधीर्षीर्षीर्षी
 ॥ वाक्पुत्रं ॥ सर्वं धनं ॥ विधिः
 कृष्णं ॥ सर्वं धनं ॥ अग्निजिह्वि
 मन्त्रं ॥ अग्नेयं ॥ नमो ॥
 यायाव ॥ सुधीर्षीर्षीर्षी ॥ स्वामि
 याकम् ॥ याय ॥ मन्त्रं ॥ सर्वं धनं ॥
 धनं कावलिदावयावत्तु सकर्मया
 य ॥ ७ ॥

आसपूजायादा ॥ वक्राया कलहा
 ययाव ॥ वक्राया अग्निजिह्वि सुमन्त्रं
 याय इति ॥ कलकेन नमालका
 वक्रायादिर्वर्णं ॥ आचार्ये नमो ॥
 उं अग्निजिह्वि ॥ वाक्पुत्रं ॥ वक्रा
 र्जने निमित्तं ॥ वक्रा ॥ वक्रा
 कलहा ॥ वक्रा ॥ वक्रा ॥
 मयाय ॥ अग्निमानाम ॥ उं मन्त्रः
 इति ॥ अग्नेयं ॥ वक्रादिश्रुतिः ॥
 निनाद्विर्षीर्षीर्षी ॥ ७ ॥

नमो ॥ यथा कर्म ॥ वक्राया ॥
 वक्रायावत्तु कर्म ॥ सुधीर्षीर्षीर्षी
 वक्रायावत्तु कर्म ॥ वासादिः
 धुलियर्थं ॥ वक्राया ॥ अग्नेयं
 धुलियर्थं ॥ वक्राया ॥ अग्नेयं
 धुलियर्थं ॥ वक्राया ॥ अग्नेयं
 धुलियर्थं ॥ वक्राया ॥ अग्नेयं
 धुलियर्थं ॥ वक्राया ॥ अग्नेयं

जा ॥ अस्तु ॥ उं नमो नमि ॥ वाक् भू
 दि दाना नम ॥ वि (ध) व अ क ल ठ
 युजा ॥ युधम ॥ उं धवाय २ ॥ उं शं
 न ॥ १ ॥ दिगीय ॥ उं धवाय २ ॥ उं
 दी विष्णु ॥ २ ॥ रुगीय ॥ उं सामाय
 २ ॥ उं नवनी ॥ ३ ॥ वयु (ध) ॥
 उं अस्थानम ॥ उं दवष्टु नो ॥ ४ ॥
 यक्षम ॥ उं अग्निना २ ॥ उं विष्णु
 क ॥ ५ ॥ वक्षम ॥ उं अग्निना २ ॥ उं
 दि वा वा विष्णु ॥ ६ ॥ सकम ॥ उं
 युष्ठा २ ॥ उं युग विष्णु ॥ ७ ॥ अ
 क्म ॥ उं युगासाय २ ॥ उं विष्णु
 नना ठमसि ॥ ८ ॥ मध ॥ उं वृक्ष
 (धनम ४ ॥ उं आवर्ग वाक् (ध) नि ॥
 उं वृक्ष धम्यन ॥ उं वृक्ष यज्ञान ॥
 उं आकृष्ण ॥ उं व्याधिन वष्टु ॥
 २ ॥ उं गाना वमिष्टु ति ॥ १० ॥ लोः
 कयाल ॥ सधु धा दि वलिष्ठु जाव
 नादि स्वव वदन युजा ॥ मासादि
 यका दीन कृणादिन युजा ॥ धूय
 दीयरुलन वष्टु ॥ वष्टु ४ स्वलि ॥
 य (ध) ७ ॥ उं स्वस्तिन वष्टु नि ॥ ७ ॥
 उं मन्ना शक्ति ॥ युनिष्ठा ली ॥ जा
 यमा ॥ अर्ग धा दि ॥ ध्वधन काव
 धन ॥ ॥

सुप्रसिद्धमयाय ॥ पूर्ववत् यथा २ वि
 धिमनु न कल धावेन ॥ ॥ वद्य
 ० निमनु ॥ उं वृक्ष यथा ॥ उं
 भस्मास्थामि यदासा धन ॥ अक्ष
 दगममि ध धर्म ॥ उययमन रुक्
 वष्टु न ॥ अग्निना म ॥ उं सुया (ध)
 यथा ॥ ॥ मधुलावेन ॥ वद
 रुति ॥ यथा ३ यव वा ३ धी ॥ दृताः
 रुति युष्ठा ॥ तिला रुति सकर्म क
 लक्ष दि युनिष्ठा ॥ ॥ तिला रुतिः
 युष्ठा ॥ ॥ उं वृक्ष दि वी नि ॥ ॥

वदन अज्ञानिकमियावक ॥ उं
 अज्ञानिकमियावक ॥ ७ ॥ सीदाकाः
 दायक ॥ उं या याम् ॥ य र्थीन
 धन के ॥ दृया ध (ध) सकलना
 ददना ॥ धन लिड (ध) ॥ ॥

यक्षसिदासनायाव वसन याव
 युत्रयाक ॥ दृया ध (ध) युत्रमधु
 लेयावक वदन ॥ वदन उं अग्ना दि
 ॥ उं समा वक्तु युत्रमधु लावेन
 निमित्तार्थ कर्तु धी सया यक्ष यन
 म ४ ॥ उं आकृष्ण ॥ रा रु लाय यष्टु
 नम ४ ॥ युत्रयाक ॥ क (ध) उ नन

[illegible]

गय ॥ विं (धम १० ॥ दी (धम २ ॥ दीन ५
 ॥ दन १ ॥ वन्दनादियस्त्रीयवीनपु
 यनः ॥ आच्छादनः ॥ जानाव्वा नगवर्मा
 ॥ गग ८ दूजन ॥ ॐ ॐ न्दायनम १॥
 ॐ ॐ ॐ यनम १॥ ॐ यमायनम १॥
 ॐ नैर्ज त्यायनम १॥ ॐ वरु धायनम १॥
 ॐ वायु वनम १॥ ॐ कुव नायनम १॥
 ॐ ॐ ॐ धायनम १॥ ॐ अ धम २ ॥ ॐ
 उद्योय १॥ १० ॥ विं ध ॥ ॐ आदित्या
 य १॥ ॐ सामाय १॥ ॐ अग्नि नाय १॥
 ॐ वृक्षाय १॥ ॐ वृक्षमय १॥ ॐ
 शुक्राय १॥ ॐ हानिष्ठ नाय १॥ ॐ
 चारुवेनम १॥ ॐ कनव १॥ १॥ धन
 ई ॥ ॐ अ (वदाय १॥ ॐ यशस्वदाय
 १॥ ॐ सामवेदाय १॥ ॐ अथर्व वेदा
 य १॥ ॐ यादि ४ ॥ दी (धम १॥ मध्या ॥
 ॐ वन्दु मधुय १॥ ॐ सूर्य मधुलायः
 १॥ ॐ अग्नि मधुलाय ॥ ॐ शुभ्रमः
 धुलाय १॥ ॐ यादि सिद्धल यः
 ज्ञायवीन जाना यद्यदकि धा गान्ध
 लरुल धूयदीय ॥ मा १॥ ॐ मधुला
 यनमसुख सर्वनत्वाधियायव । रुद्र
 व १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥
 म १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥
 कला १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥
 पुत्रवेनम १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥ १॥

दहिमं लुक्कयां कुरु। विधनं च वगुदे
 १०० गुह्यं ज्ञायाति न मया॥ अज्ञानं च
 सुमयं विधुः दहिमं ज्ञानं रुकिता॥
 विधुद्वंद्वं सलिलं। यायमलसुयः
 नि॥ गुह्यं गुह्यं निमिर्न नद रुनात्याप
 सकृयं। दिव्यं दुरुमयं कृत्वा मयः
 दिसुयं धुसु कर्म तव। शीलं धीवसः
 मायुर्कं विद्युस्य चारुमं वुर्न॥ अथ
 आदि॥ मधुल विमं ज्ञानं॥ उंड द्ययं
 गमसः॥ मधुल सवर्दि च न न दिगुतः
 कारुण्यं शना॥ ॥ गुह्यं॥ उंड स्वकि
 ॥ यल्लु सिंहासनं या॥ यं विनं स्वस्मिक
 स॥ कायति न स्यं स्वनं॥ उंड कादुर्णं॥
 निमिच्छन॥ उंड अथ वा वत॥ वलि॥
 वस्तु न याय कर्त॥ वद॥ गुह्यं गात्रया
 असु अष्टकलं ग्यालं रवन वितास २ का
 यमनु॥ उंड ययं न न य ४ युगि द्या ४॥
 यथम॥ उंड ययं ४॥ दिगीय॥ उंड म
 यूया॥ उंड ययं ४॥ उंड मना हा॥ ययं म
 ॥ उंड सवर्णं॥ ययं म॥ उंड विरुज॥
 सयम॥ उंड गनुद्वं॥ अष्टम॥ उंड
 दिहाय॥ लं रव वदुया द्ध व न लुय॥
 मनु॥ उंड गान्धिज हामि॥ पूर्व समुदः
 ॥ १ ॥

पुनः वदु अष्टकलं ग्यालं रवन सिज
 लं रजसं धं क का या व हाय॥ जवः
 दान का या व कल ग्या॥ १०० न न ध
 न क॥ मनु॥ उंड या या च न सु मि वगु
 क्रामि॥ धलं रवन हाय मनु॥ उंड न
 नेन मरि विवा मि विथ य हा स वु क्र
 ॥ उंड व व व साय॥ ॥ लं रव का
 य॥ मनु॥ उंड य न विथ म कृ ध नीय
 ना क्राम य वि धुर्न य दान क द वि
 ना य ४॥ ॥ पुन लं रव काय॥
 उंड या या च न सु मि वगु क्रामि॥ लं
 रव काय॥ उंड या या दि द्या म या नु व
 स्तान दु उंड द धान न म रु न म य चः
 क स॥ १॥ लं रव काय॥ उंड या याः
 च न सु मि वगु क्रामि॥ लं रवनः
 हाय॥ उंड या व ४ वि व न मा न स सु
 स्य राज य न रु न ४। उंड गी नि व मा
 र्तिन॥ ४॥ पुन ४ लं रव काय॥ उंड या
 या च न सु मि वगु क्रामि॥ लं रवन हा
 य॥ उंड ग स्मा अर्धं ग मा म हा रु न ४ः
 ययं क या य जि न्व थ ग्रा या ज न यः
 था च न ४॥ १॥ पुन ४ लं रवन हाय
 ॥ उंड या या च न सु मि वगु क्रामि॥
 १॥ गृही न हाय॥ पुन ४ लं रवन
 हाय॥ उंड या या च न सु मि वगु क्रामि॥

नृणां नराय ॥ ॥ यासां नया काय
 उकाय ॥ नाना लीखनी काय ॥ मुकुः
 धीगा सांकाय ॥ ॥ वदुन सुखे ला
 स ॥ दंष्ट्र कथि सयिने मूजेन ॥ उंडे
 रुमिव नृ ॥ कुरुति सिव की सि ॥ याग
 वाता ॥ अगाया व कु विनी चलन ॥ व
 दमव वसुन वाय कं न ॥ ॥ वद
 नासिया व ॥ सुया र्थ या व के मरु ॥
 उंडे उंडा उरु सु विद्या मत्र दिवः
 स्थायानया वरि नृका नृ दही निव
 सिदस गानिमा कृ द्वादि दे भागमय
 सुया र्थ ॥ युन ४ ॥ उंडे उंडा उरु सु
 विद्या मत्र दिव नृका दिवा या वरि नृका
 ७ गानि निव मिध नृस निमा कृ द्वादि
 दनागमय सुया र्थ ॥ युन ४ ॥ उंडे
 उंडा उरु सु विद्या मत्र दिव नृका ७ साय
 या वरि नृका मरु सुम निव सिम रुम
 सनिमा कृ कृ द्वा विदमगमय सु
 या र्थ ॥ ३ ॥ नान वाचक माम वा
 नक वदुन ॥ विदिसि हा सी पिय
 के ॥ ॥ सम सल रव कु य काव के
 धल रव स राय सु ध विन माल ॥ न
 उयुजा या दा व दकि धा वरु मे सु
 लला विय ॥ धल रव नय ला व स
 वाच के ॥ लुसिया च के विव न व

नव ॥
 श्री वायक ॥ स्नान ॥ डो इम न ही दन
 धा वन ॥ उंडे अनाया या कुरु र्थ ७ सा
 माना जाय मा गाम ॥ सम सुख गुमा
 प्रनय हा सा चरु येन च ॥ ना सिव
 के ॥ उंडे उय स्य र्जन ॥ न सा क विम
 वद ॥ श्री वाया व वन्द ना दि गृ ध
 कृ कृ म वाना सि क था मरु र्थ रु म
 दयन सु र्वा ॥ उंडे यु धा या नो म
 न र्थ यत ॥ उंडे व कृ म न र्थ यत ॥
 उंडे ॥ अर्पे म न र्थ यत ॥ ला हा ० सि
 च के ॥ ॥ वाय द्वा न सा ॥ रुस
 सुध ॥ उड क उ लि र्वा न ॥ वा
 यम द न सा ॥ तिला द विर माल ॥
 उंडे य धा ॥ अजाय अमृ क ॥ विरु य
 धा नाम ॥ अमृ ॥ तिला द क ॥ उंडे
 विन न र्थ ॥ अय स वा द कि
 धा रि मरु विन ॥ उय स्य र्जन ॥
 ला हा थ सिव के ॥ युन ४ व नृ न
 विर ॥ वदुन य उ य ॥ उंडे सुव का
 रुम कि र्थ रिया स ७ सुव द्वा म
 वि ॥ सु ७ क ॥ र्थ रिया स ॥
 सुवा न स यन ॥ ॥ युन स्नान
 ॥ याच के ॥ अक कल न वद थ

१ स उं ईं ऊं नमन उं नः ॥ आदि ६ ॥ क्रि
थठ या (ध) सान विधि याव क ॥ ॥
जाना रु र नवलन रु या ॥ म ध्यानः
सं ध्या याव क रु किन सा स्य ॥ अः
नव मुन नय क वर ॥ धन धन काव ॥

य ऊं सिं हासन याय विनं स सि क स
खं दाव व साव कं न ॥ गिन खन (म)
धनं ॥ उं रु ॥ १ स्था हा ॥ उं वृक्ष य ऊं नं ॥
उं उ व १ स्था हा ॥ उं उं र्द विष्णु ॥ उं रु
१ स्था हा ॥ उं ने म १ हा रु वा य च ॥ कुल
व रु जा वि य ॥ वरु ॥ उं य वि धा स्यः
य (म) धा स्य दी धा य ला य व रु किन
मि ॥ गनं व जा वामि गन द १ य नी ची
नाय स्या व म रि स्य यि य ॥ ग वि
य ॥ उं य हा सा मा शा वा य वि वी य स
स न्द्रा य व रु स्य ना य (म) रु ग ध मा
वि श्र सा मा य नि य श नी ॥ च न्द न
॥ उं य द श क ध ॥ व ना नी वि य ॥
उं य वा स वा मा य नी वी न आ मा स
उं क य रि व नि जा य मा न १ न धी ना
स क व य ड न य नी स्वा (ध) म न सा द
व य न १ ॥ क धु ल वि य ॥ उं अ लः
क न ध म सि रु या १ अ ल क न ध म सि
रु या स १ ॥ सि नू ल ॥ उं ल उ वि ष

दा ॥ स रु व ॥ उं द धि का प्रा ॥ अ रु
न ॥ उं दी धा य रु ॥ स रु व ॥ उं य
१ रु लि नी ॥ द्वा क खान ॥ उं आ हाः
न रु म द धि १ श्र द्वा ये का मा य यः
द्वि या य ॥ गाम र्द य नि ष्ट द्वा मि य न
सा व रु ग न च ॥ ॥ न सा क मा लः
खान ॥ उं य द शी य न सा मि नू ध
का न वि य नं य ध ॥ ग न र्द य नि ना
१ स म नं स मा वा ध मि य (म) म यि
॥ अं ऊ ल न व ल क ॥ उं व रु स्या सि क
नी न क ध १ रु रु अ सि ॥ च रु म द हि
॥ द स क न क न ॥ उं ईं ऊ नि व ध
म रु र्द व न नि य नी न रु ष या चः
क ना क ना दि वि ॥ च रु वि य ॥ व
प्र ध वान य उ य ॥ उं व रु स्य न
वु दि न मि या य ना मा म न रु हि
॥ ग उ सा य स मा मा म न रु हि ॥
का थ पाल ल का म वि य ॥ उं य नि
ध रु वि धा वा मा या र्ग ॥ क ला व
ग ना ल ल र्द वि य ॥ उं रु किन
०० रु ॥ य वि रु गाम वि य ॥ उं
वि धा य मा ना धा य स्य वि याः
हि स व न १ ॥ आ रु नि वी य रु उ
स्य १ ॥ उं आ रु धु नि ॥ अ रु व न

पृ० ७० वरु ॥

मामयाक आकायावसवाधयाव
॥ लासाखगमजादाव करुलक कः
नवन काथयासन काम कुविदा
वजानक ॥ धकृद्ववर्दिगमनन
वन ॥ द्धुथयाधयगा अथ वायन
यतिवियधस्य गदावरु ॥ वाधव
दायकावलिरावय ॥ गमयसिधत
जानकाव मालकोरु विम्ववय ॥
घाससलसासीदकाय ॥ लखधल
धस्य येरुसिहासनया येविनेरु
नेवेरु ॥

गन० ४ सखादुगि ॥ दधमयागि ॥ वाः
मधयूजा ॥ गमनिक योष्टिक ॥ य
वधन्यादि ॥ वलियदान ॥ नेवः
यादिदर्शन ॥ वाक्मधदिअनसंक
ल ॥ द्धुगदीयवृत्तिकोर्दाम ॥ द्धुता
दुगि १०७ ॥ गन० ४ यागिधरुहाम ॥
यियधवाउर्ध ॥ वउ० याहि ॥ व
क्रिगयगी ॥ उं देवकमस्येनसाः
वयजनमसि ॥ ००० यादि ॥ याधरु
मि ॥ वउ० स्वकि ॥ येवधन्यादिवः
निसन ॥ संधवेदुगयागन ॥ उः
यस्यर्धन ॥ दक्रिधदान ॥ वाचन

॥ उं समिगियागि ॥ दधीनारिधर्क
यवीजन ॥ आधाअद्याचरति ॥ उ
मधयूजा ॥ उं देव ॥ उं देवाः
मउविदाग ॥ उं आयायस्यस्यः
मि ॥ उं संवदिनकी ॥ वधमसक
दुयाग ॥ आससा ॥ उं मलाध ॥ ४॥
जायलाय ॥ उं ज (वदायस्यमि ॥
॥ अउगधदि ॥ ॥ देवकलः
गमिआयायुआगीवोर्द ॥ वुका
यधीनविसजन ॥ ॥ वुकाकृगमा
चन ॥ गकु (शनयुगीनारिधर्क ॥
वुकाकोरुदयंकदुया ॥ उं नन
या (नसि ॥ उं आयायुवति ॥ अः
मिनकाकमानवातेवकस्य ॥
॥ ॥ यऊयाववमनन ॥
उं नक्रुन ॥ निम्वकन ॥ उं अ
धवावदधि ॥ वलिस ॥ वुका
कल ॥ गारिधर्क चन्दनो सिद्धः
लसधुधगीवोर्द ॥ सधुआन
यियनिध ॥ वलिरुजावेनादि
कूय ॥ यऊविसजन ॥ ॥ गव
हाम ॥ न्यामाधयाग (धमसि
कूय ॥ मयसाकिथय ॥ वुका
धदिगार्थ ॥ ००० तिसमावरुन

विधि ४॥

यद्गुणसूर्यकनमनवद॥ यद्गु
दकदसूर्यमानयाचक॥ धनलिः
वदगमनयायावकार्णरु॥ कागल
सलेखनयकसकनरु॥ पूजाया
कावे॥ वदुन॥ वनसूर्याद्य॥ उं
आद्यावालाकल्य॥ उं अद्यादि॥
उं सूर्यरुनेसि॥ ह्यनमिर्वै
दाअसिवर्माभदहि॥ सूर्यस्यावत
मन्वावर्ण॥ सार॥ उं उवाकसुम
र्ण॥ अगुन॥ अदि॥ नकुलेनहि
की॥ आशीर्वाद॥ सूर्यायाचकथ
न॥ ॥ धनयद्गुकदयाविधि॥

अथनारुनविधि॥ वानधरवदक
दु॥ धवदुवयाचनकी॥ ध्यकार्य
धयपूजा॥ दद्युनियुजा॥ यणुजा
गदिदयर्कवन॥ कीमानीपूजा
॥ रुधानि॥ सुरुवन्दका॥ प्रसादपि
टिनी॥ दासनयाकमला॥ धनदः
लसासीदने॥ कमालवानकनक
॥ धदाकीदद्युलिल्लाय॥ वन्द
ना॥ सिद्धल॥ मादनी॥ सगुणशीर्वा
द॥ समयन॥ नारुन॥ राखीकन
कार्ण॥ ॥ नितुनवन्दनविधानं

संपूर्णसमाकं॥

अथविवाहाविधिलिखितं॥ का
नकीवालधरवयकीयवादकयाय
॥ उं कविगणियरु॥ विवाहदहानि
हिदिन॥ विवाहवतनाद॥ अवासद्य
सुकावय॥ ॥ यजमानामकस्यः
विवाहादहआयुदेकवृद्धिप्रदः
वाक्॥ विधायपूजा॥ पीठपूजा॥
तुम्हाकययार्णवापूजा॥ क्रिथकनी
यवदकसनायीयादाव॥ अगुसक
यमाल॥ ॥ यद्गुदुववजा॥ अष्टकल
डाईकाय॥ लसासी॥ वकावाय॥ पीठ
वर्णवकुवकुवकुवकुवकु॥ अकमालाथ
धजवलाकनस॥ जवकधजुनय॥ ख
वथध॥ कमधुलु॥ अगदसासनयाः
चर्कमजीत॥ धवावर्क॥ तुम्हागक
ज॥ कासनवलये॥ विनायकाधुस॥ अ
नग॥ अस॥ मूर्तिवाय॥ नायचुणकाः
यदन॥ नागय॥ नायनागर्क॥ वनः
माल॥ यकयकनी॥ शीलक्रीमजा
ना॥ धवाय॥ अलकनिमदाधुलिः
श्रीध॥ वार्थन॥ वायसशीजवस॥
लश्रीववस॥ लावर्कन॥ अष्टकः
लगस॥ शीवसादिन॥ धन॥ ॥ चयि
क॥ राजादेयोनासा॥ कलसवउ३
२दयकेमाल॥

विष्णुको धनमथाया ॥ दूनिहीयाः
विष्णुको धनमथाया ॥ दूनिहीयाः
नया ॥ मिसाजनेया ॥ सिधुमूढ ॥ याग
नयावमजोता ॥ थ ॥ सनावस ॥ स्रसिः
कवाय ॥

अथदसलकृदं ॥ विदिसिआवाउथाः
हित ॥ थकादिथकादिनकिनिर्क
दयक ॥ थगुलिनिर्कमालकासः
लुप्तियावक ॥ सोनादिनिर्ककर्मधुन
काव ॥ थकादिर्हयवाककयाय ॥ को
मानीराजामाल ॥ ॥ चिनायनिमनुन
कुरय ॥ वायुजाकुरय ॥ अविभाकुरययान
॥ बुझुषीवायुदुद्वेनवदसल ॥ दुउ
कृदं कासीन ॥

अथआवाउसीदसलकर्मयावक ॥ वा
क्रुष्टयाग ॥ बुझुषीवायान ॥ शनवृन्दः
कायुजा ॥ अथ २ विधिन ॥ जायकाउ
॥ थकादिर्हयवाककयाय ॥ को
मानीराजामाल ॥ ॥ चिनायनिमनुन
कुरय ॥ वायुजाकुरय ॥ अविभाकुरययान
॥ बुझुषीवायुदुद्वेनवदसल ॥ दुउ
कृदं कासीन ॥

आनधियुतिष्ठा ॥ ॥ मासधउयाचका
वदुतिर्नस्रसि कस ॥ लासालसी ॥ स्रन ॥
कोमानीस आ कुरसदिय ॥ चयनेवियका
व ॥ शनवृन्दका ॥ कागयाव ॥ क्लिचक ॥ ॥ गम ध
य ॥ यात्र ॥ वि ॥ चउका ॥ दूनति ॥ मदनखल ॥
साहायखल ॥ दा ॥ गमय ॥ अकन ॥ धनकथ
नचाय ॥ ॥ द ॥ गल ॥ शकनकान ॥ ॥ धनस्रन

सुतियागमानादि ॥ यतिगयक ॥ चिनायः
पुर्त ॥ २ ॥ अयनमाल ॥ अविनीसथ ॥ थ ॥ थ
दह ॥ रुनिनी ॥ धस्रगिद ॥ नसास्रदं काः
य ॥ बुझुषीवायुदुद्वेनवदसल ॥ दुउ
कृदं कासीन ॥

धनथकादिर्हयवाककयाय ॥ बुझुषी
वायुगुलि ॥ ॥ गमय ॥ अकन ॥ धनकथ
नचाय ॥ ॥ द ॥ गल ॥ शकनकान ॥ ॥ धनस्रन

अथआवाउसीदसलकर्मयावक ॥ वा
क्रुष्टयाग ॥ बुझुषीवायान ॥ शनवृन्दः
कायुजा ॥ अथ २ विधिन ॥ जायकाउ
॥ थकादिर्हयवाककयाय ॥ को
मानीराजामाल ॥ ॥ चिनायनिमनुन
कुरय ॥ वायुजाकुरय ॥ अविभाकुरययान
॥ बुझुषीवायुदुद्वेनवदसल ॥ दुउ
कृदं कासीन ॥

अथवाक्रुष्टयाग ॥ धनकथ
नचाय ॥ ॥ द ॥ गल ॥ शकनकान ॥ ॥ धनस्रन

य ॥ साङ्गयद्दयायाः ॥ अथ कलश
या लीखेन अलिषकवियः ॥ चन्दनाणी
वैद ॥ सरुमालवियुनिष्ठा ॥ मास्य
उयाचकः लासालवकुलिनीत ॥ श्रीवा
यकः ॥ ललितोचकः ॥ माउद्गयकः ॥
अनुवक्तुः उनिवसतननियकः ॥ धन
पुम्नधीचाया साङ्गयविधिः ॥ धक
लक्षविसर्जनमयासीः ॥ नाथ ॥

अथ प्राज्ञ वचाः यथा दिव्य लासालाव
यत्नमधुययायां कलिसुखमिदं सः
स्वने वसाचकी ॥ निर्मलकूर्ने ॥ वलि ॥
अग्निशरुनका ॥ सद्युधसदं क्का योव
नाडाई याशरसाः कविलेढः कविग
माल ॥ धनदाय ॥ धर्लढ गविय ॥ उं
वसा ४ यविउमसि ॥ प्रसादविठिनी
शानवसः रुलिनीपात २ शतवृन्दका
तमीदाय ॥ उं सुस्तिनामिमीना ॥ रुवि
नीमय ॥ उं शाननमिन्दु ॥ शतवृन्दका
नकोरवायक ॥ उं सरुमाषि ॥ सुलावः
यात २ विय ॥ उं प्रजायतन ॥ रुलिनी
वचचकः कायउसुदाकावर्लुवतवि
य ॥ उं हिमध्वगई ॥ धाकनलोकयाः
रुनकावनानायव यदनाम कुर्य ॥
उं वृंद विष्णु ॥ स्थानविय ॥ चन्दनाआ
शावोद ॥ ॥ वाकावनकाय ॥ अः
मिनीनदाय ॥ उं नमः ४ शतवृन्दकायचः
लासाननायक ॥ उं नववायु ॥ सरुः

ज्ञानवियुक्तिः ॥ मासद्युताय कावला
 सालावः दायवजिः सद्युताय निवनक
 वाक्रवर्त्त ॥ ययकलकक्याय ॥ गत
 वृन्तकारुणीनीकोदायाकलनावर्स
 नयथनशनी ॥

अथ विधि सिंहास्यं सिन्दूर निपूजा याचः
 के ॥ जाम्बीनीति ॥ वज्रवज्रवज्रवज्रवज्र
 वादक ॥ लवणमस्तु काजादूर्वाकृत
 कुमनउ ॥ धूमनाववर्थक ॥ कृतानन
 सुला १ दयकं वायमाल ॥ विधि सिनम
 ज्ञाता ॥ थियादक याय ॥ थकादिस्य ॥
 ॐ अथादि ॥ यथालाजर्न समर्थ ॥
 दवकूनयथा २ विधिनन कलशः
 चूर्न ॥ चंदुमधुलसथाउठाचंद्रमा
 पूजा ॥ विठिनिसनवज्रकूनपूजा ॥
 ॥ कलशायामववस ॥ सधुषयादव
 न ॥ सिक्किनय ॥ विद्रुर्गुलि ॥ याग
 कागन ॥ वासनर्क ॥ विद्रुर्मदस
 ॥ कलसयाजवस ॥ सधुषस ॥ थसि
 न्दूरनिमान ॥ यावर्गुलि ॥ सिन्दूर
 निकायन वासनर्क ॥ यावर्गुलि ॥
 ॥ दवदल्ल ॥ लचित ॥ वकिर
 य ॥ धनपूजा याय ॥ गध ॥ वलि
 वहिवालासीदिमालकापूजा ॥
 धूयदीय ॥ जायलाग ॥ वाक्र
 दिपूजा ॥ अन्नसंकल्प यावाक्या

यमगव ॥ वामनवर्तनयद्य ॥ अर्थ
 कादिनीयैः कन्यायां लालावत्सुकस
 स्वन ॥ निर्मकुन वलि ॥ लानननके ॥
 मधुलकार ॥ ययैर्न ॥ मगरुगाउचा
 नदाय ॥ निकिसाल ॥ सगुधनदाय ॥ य
 नं कुंनं नं नं नं निकिसालरवव वाहन
 स ॥ पाकयकैत ॥ विद्रुमूदनदाय ॥
 यानकननभालाव ॥ निनिन ॥ विद्रुः
 जं गुलिवियाव ॥ जववा नसप्रायक
 ॥ विद्रुजं गुलि ॥ श्रीकालगया गुलि ॥
 सिन्धुकाय ॥ चन्दनसगुध ॥ श्रीवीर्द
 प्रमिष्टा ॥ धनलालालावरुति ॥ ०० धि
 द्यादाव ॥ सक्तिककसस्वन ॥ पुन ॥ मगः
 रुगाउचा ॥ सिन्धु निसाल ॥ सगुधनदाः
 य ॥ सिन्धु निसाल ॥ जव ॥ वाहनसपाकाः
 यकैत ॥ प्राधमूदनदाय ॥ सिन्धु निका
 पुनभालाव ॥ लिनिन ॥ प्राधजं गुलि
 मचा ॥ जं गुलि ॥ धवियाव ॥ जवया अनाः
 मिकारुकायक ॥ सिन्धुकाय ॥ सगुध
 श्रीवीर्द ॥ प्रमिष्टा ॥ वैकि विय ॥ धन ॥
 कन्या ॥ यं गुनि ॥ गाय द्वाय ॥ धन ॥
 ॥ दकि भदान ॥ ववयव्वालद्वव
 नन ॥ राकिं ॥ गाय विय ॥ कलभालि
 यकै ॥ चन्दनाद्या श्रीवीर्द ॥ सरुः
 आनथियुनिष्टा ॥ ॥ दुस्वपिमा
 द्याय ॥ कलभ ॥ सगुध ॥ विनिनिष्टाः

य ॥ यनु मधुलसयाद सिन्धु विय
 ॥ मास्यययवकोव ॥ लालालायय
 न ॥ धन सिन्धुका विविष्टा ॥ ४ ॥
 अथवकु निचा ॥ कान ॥ ०० द्याय ॥
 साकालयादा ॥ कलभ ॥ याद्ववने
 सक्तिकसस्वन ॥ निर्मकुन वलि
 ॥ मगरुगाउचा ॥ सगुधनदाय ॥ य
 सादयिठिनिस् ॥ रुविनीयात ॥ २०
 नवृन्दकानयाव ॥ धनदाय ॥ रुवि
 निक्काय ॥ श्रीवीर्द ॥ का वियावकावा
 यक ॥ लं विनिन ॥ कावठ ॥ वालासया
 स्य ॥ धनरु विनिनय ॥ भालाव विय ॥
 उं यजायनन ॥ ॥ अरिषक ॥ कल
 मयालं रवने ॥ चन्दनाद्या श्रीवीर्द ॥
 वैदावनकाय ॥ सरुः ॥ आनथियुनि
 द्या ॥ माममूं वैदावनकाय ॥ माल ॥
 लालालाव ॥ कुरिर्न सक्तिकसस्वः
 दाव ॥ दायवजि ॥ सगुधधनिनः
 क ॥ सक्तिकका ॥ धनकावरुणीनि
 शानवृन्दका ॥ काद्यावन ॥ ०० वि
 उं श्रीवीर्द ॥ रुविनिक्काया विविष्टा ॥

अथ दोजामागमकु व विविष्टा ॥
 सगुधन ॥ ०० अद्यादि ॥ यजमा
 नस्यपुणी कन्यादान ॥ निमिषार्थः
 श्रीसूर्यायार्थं नमः ॥ यथा राज
 उं आकृष्ट

नैपु (७१) ॥ उं सिद्धि नमु क्रिया नै ॥
यजमान मणि ॥ सुत्र नमस्का नै ॥ न्या
साधय पृजा ॥ साधय पृजा ॥ ७ ॥

जामा र पृजा नै ॥ स्नान नै नै ॥ उं जामा
उ विष्णु मृत्तिय उं द मा म नै २ ॥ यः
यन म ॥ उ न वा के न ॥ या दार्थ हः
साध च न न ॥ यज्ञ य दी न य धी वा
उं द न ॥ धू य दी य ॥ अ उ र्ण धा दि ॥

जामा उ (७२) म धु लं का न य ७ ॥ ॥
यथा कर्तुं वृत्ती ल्या ॥ उं य ना रू द
व व ज ग र ता द त्या म हा म ना ॥ म
दा स क यू नि ना यृ धी न यो अ यः
रू क मे स ॥ म धू के ट र म दा रि ४ यृ
त्रि ती ध न धी ग ली ॥ त म्मा दो ष वि षु द्ध
धं सिं वा मि ग न्ध वा नि धा ॥ न म्मा क नः
ध न ॥ उं (७३) धि ना यृ धि वी र्वे व ग न्ध वा
वि सु न यि ना ॥ यृ व ज न्म क र्ण यार्थ द
४ क र्ण स क र्ण र व ७ ॥ यृ व ज न्मा र्जि त
यार्थ मि रु ज न्म नि य क र्ण ॥ य क र्ण
क म्म सृ र्ध ॥ ज न्म ज न्मा न्म न यृ व ॥
क ल यृ द्वा ॥ अ लिव द्या याम यि ल्वे क
उ न मा ॥ अ र व धु म धु ला वृ र्ति जामा
य (७४) वि वृ न्म या ७ ॥ यृ व य वि वि धाः
काला जा य न वि वि धे क न ॥ त म्मा र्ध
क म्मा गी द व ॥ य न क न्म नि व द व ना ४

॥ रुक्म यु माने न ॥ यी त वृ (७५) न म धु लं
लि र व ७ ॥ ला जा के य नै ॥ यि धु वा क
॥ १० ॥ ध न ॥ द धु वा क ॥ ७ ॥ ध न द धु
वा क ७ ॥ ध न द ३ ॥ ध न द म धु लं
॥ म धु लं स जा क यो व न य वा क स
॥ व न ॥ सि धु जा ना १ ज ज म का स्वा
न ॥ त व स व य ७ ॥ व य न ॥ र व धि क र ७
द कि ७ ॥ धा म धु लं स न द ना ॥

त न ४ यृ ज नै ॥ यि धु म धु लं स ॥ उं
रू दाय २ ॥ उं अ न्न य २ ॥ उं य मा
य २ ॥ उं नै र्ध त्या य २ ॥ उं व न्म
य २ ॥ उं क व ना य २ ॥ उं वा य व य
३ ॥ उं वी ण ना य २ ॥ उं अ ध स २ ॥
उं उ द्वा य २ ॥ ध न द र्थ ॥ १० ॥ उं य
या य २ ॥ उं वि ज या य २ ॥ उं अ डि
ता य २ ॥ उं अ य ना डि ना य २ ॥ उं
ज म्म न्य २ ॥ उं स म्म न्य २ ॥ उं मा रु
न्य २ ॥ उं अ क र्ण २ ॥ ७ ॥ धः
न द धु ॥ उं स धा जा ना य २ ॥ उं
वा म द वा य २ ॥ उं अ धा ना य २
॥ उं न ल्य न्म बा य २ ॥ उं वी ण ना
य २ ॥ ७ ॥ ध न द धु ॥ उं व द्वा (७६)
२ ॥ उं वि षु व २ ॥ उं उ द्वा य २ ॥
३ ॥ ध न द म धु ॥ उं व न य य २ ॥
उं सु त्र त्या २ ॥ उं क र्ण या ना य २ ॥
उं अ धा व न क य २ ॥ उं अ न्नः

नामनाय २॥ ॐ ह्रीं य २॥ ॐ नानाय
 २॥ ॐ यमाय २॥ ॐ यमाय २॥ ॐ कः
 माय २॥ ॐ कलिकाय २॥ ॐ जलः
 वदाय २॥ ॐ यद्वददाय २॥ ॐ साम
 वदाय २॥ ॐ अथर्ववदाय २॥ ॐ अः
 निमगुलाय २॥ ॐ सूर्यमगुलाय ॥
 ॐ साममगुलाय २॥ ॐ जामातृमः
 गुलायनम ॥ ॐ हृदयाय २॥ ॐ
 निरुम २॥ ॐ निरुवाय २॥ ॐ कवचा
 य २॥ ॐ नगाय २॥ ॐ अस्त्रायनः
 म ॥ ॐ जामातृमगुलाय चन्द्रनी
 नम ॥ ॐ गवाक्षन यज्ञायवीगय
 र्थ २॥ ॐ वाष्पदनीनम ॥ ॐ रुलगाः
 मूलनम ॥ ॐ दक्षिणनम ॥ ॐ धूयः
 दीर्घनम ॥ ॐ साग ॥ ॐ मगुलाय
 नमसूर्य सूर्यगलाधियाय च। ॐ
 वृवः स्वयं काशयमगुलायनमो
 नम ॥ ॐ अगन्धदि ॥ ॥ स्व
 शुभ एवेष्टा श्रीलिन ॥ ॐ नमाजामा
 तु ॥ ॐ सर्वदेवमय ह्रीं सिद्धिः
 गन्धर्व किमना ॥ ॐ द्यायालाकः
 यालाष्ट ॥ ॐ जयाद्याद्यष्टमाष्टका ॥
 सद्यागादि यश्च स्यात्तस्माद्विष्णु
 मरुद्वना ॥ ॐ जामातृर्विष्णुयासि
 सामाका नमगुलं । ॐ वृवः स्वः लार्क
 चदिक्कालादिवत्तुवे ॥ ॐ दवेद्वि

गानिखनभाजामाहदेवत॥मृगंकादि॥

सुशुप्तः ॥ यथाश्रुतिः ॥ ४५ ॥ ७ ॥ ४ ॥
यदि त्वं यतिगान्मादृशं दास्यसि विवः
जितः ॥ ४६ ॥ कन्यायुदास्यमिदं वाः
निशुप्तं निषेधः ॥ ७ ॥ ४ ॥

जामागाय (००) ॥ उं यदि कन्या वृद्ध
यत्नि दशदाय विवर्जिता । न दृष्टं
निवृत्ता मिदवाग्निगुन्मनि (००) ॥

सुष्ठु नमः ॥ ॐ आमलुन कगा य सिः
सुशील सुमना रवः ॥ य ३२ रु गात्
कः ॥ ॐ क्रोद रु यं कना कामया ॥

जामाताय ॥ ७ ॥ उँ उँ लो कल विष्णुः
 का ३३ सुन्यामयिकन्यका अर्चय
 यतिगुप्ता मिदेवान्निगुत्सनी ॥ १ ॥

खलु न गच्छं आ मल सिजामा न भेया
 पुन्या न वद्धि ता । कन्या दानं पुदा स्या
 मि अथ म विजयी कृ ॥ ७ ॥

अमागाय (०७) ॥ ॐ अवधंयुनिष्टमि

सुखं नमः ॥ ॐ ॥ मधुलक्ष्मि तर्क्यहा
नदकिष्कंधः सुखं नमः ॥ ॐ ॥
यत् ॥ ७ ॥

ॐ अक्षय गमता ॥ ॐ गुरु निमनक

उसुया (अकन) धनिग। तस्मिन्निनममा
वाच्यं तद्धिनीविजयिरव ॥ ७ ॥

सुखुन धम सुल विसुर्जन ॥ उंडुदय
कमस ॥ प्रावम्य ॥ ७ ॥

जामागल सुना रिषकं क र्या ॥ उंड
वस्यस्य ॥ उंड आनि ना देषजन न जस्य वस
वडे साया रि विप्रमिसन सखेन रोषजन
वीर्या या नार्या या रि वि वा मिसुस्य प्रिय
नक्षमि ॥ चन्दन ॥ उंड यदय क ॥ उंड सः
वैसनय नुमर्दन रव तिदान मा प्रा प्रष
नी धने वे म न द रि विप्रमि ॥ सी नू ल ॥ उंड
लैंज विद्वद ॥ उंड अथ सुमर्जन नामान ॥
कय तिगल्लि नू र्ददा ति वरू कान (प्रः
यस्य नरयस्य न किय प्रवी ना सा रव नि
कल्या न भवे न मान् शी वा वा वद ति ॥
आणी दौ द ॥ उंड अत वस्यस्य गा वृ ध ॥
उंड अत वस्यस्य हत वा क्ष गा ल गा वृ धः
तिसय वृ धः रथ ग द रु धा स्का वृ गा वृ ध
रथ राना गा नि वा रू ध का ल न वृ वाः
अरु ना गा वि नि धु नि धु न धु न ध्व म धु
द्या प्रक्रिय मा ध ॥ विना जा वाम न न दे
वानु गा रू ध कर्मा मा रि वृ पा क य ध्व यः
धय (धना) नु गा दा वरु ना धला कं य द
ध ॥ ध ॥ नु वय ना शु न धा कु ल रि न वा ना
मा कु र्वे न ना ॥ धन मय या व रु न ध्वः
गम्या द ग द ले ध का उ य धय ला कः

वृधयारिमनुयक तदना विनाड ॥ कुरु
नद धा क न रि विना द्वा म ध्या की य माः
नाः ति न द ना काम ध्या प्र की मा ना ॥
कुरु न ॥ उंड र्द ॥ रू वि ॥ रू ति जा मणामनु विधि ॥

नत ॥ क न्या दान विधि ॥ गगा वरि ॥ ४ ॥
लायामासन माहा ध्या रू ॥ स धि क रू
आसन न ॥ सुखुन ध कया ॥ उंड सा ध्व
वा स्ता मर्द्ध यि ध्या मा र व न ॥ ४ ॥

जामागान धाय ॥ उंड अर्द्धय ॥ धाय ॥

सुखुन ध विमन दय ग दी लाय ॥ ० ॥
उंड विद्वया विद्वया विद्वय ॥ यु ति ग क्ती ॥

जामागान धाय ॥ उंड विद्वय यु ति ग क्ती मि
॥ उंड विद्वय मि न माना ना मय गा मि वरू
य ॥ ४ ॥ मी ग म रि द्या मि या मा क र्था सदा
सति ॥ उक आसनी रु रु लि का गाल से न
विरुल ॥ गा ग न न ल ॥ ७ ॥

सुखुन ध अर्धान उ ति सिच क ॥ उंड वा
अर्द्धय यु ति ग क्ती ॥ रू वा उ माल ॥

जामागान ॥ उंड यार्थ यु ति ग क्ती मि गा ग न
या द यु काल य ति मनु ॥ उंड विना जा दा
हा सि विना जा दा रु म सी य ॥ मयि या या
य विना जा दा रु ॥ स पा ल ॥ ३ ॥ काय उ
न उ ति क्य स सु न ध ॥ ध ला र व न
उ ति सिच का रु लि न ॥ मि वा वि य स
रु ल ॥ रू रू नि न आ व म ॥ जामागान ॥

सुष्ठुपदं विसृज्य लं गस्य अद्यमनु ॥
उं अथा अद्य ॥ प्रणिष्टकं गी ॥ याल ३

जामागान ॥ उं अर्थप्रतिष्ठा मि ॥ उं
आयस्युष्या ति ॥ सुर्वान्कामानयायू
वनि ॥ तस्मिन्काले मोनिषाय ॥ उं समु
डं व ॥ प्रहिना विष्वा यानिमिषिगु
ति ॥ अविष्वा स्माकं वीना मायनासुः
विमल्यय ॥ १ ॥ विसृज्य न स्यात् ३ ॥

सुष्ठुपदं ॥ उं आवमनिर्य आवमनीय
मावमनीर्य आवमनीर्य प्रणिष्टकं गी ॥ ३

जामागान ॥ उं आवमनीर्य प्रणिष्टकं मि
॥ उं आमाम्यस्य सास ॥ सुडवर्षसा ।
नमाकुरपि यायुजानामधियनिष्ठु
नीमनिष्ठु नूनी ॥ उयस्यर्जन ॥ ७ ॥

सुष्ठुपदं मधुपर्कविय ॥ उं मधुपर्क
अमधुपर्क ॥ प्रणिष्टकं गी ॥ ७ ॥

जामागान ॥ उं मधुपर्कप्रणिष्टकं मि ॥
जामागानमधुपर्कमायविन ॥ उं मि
प्रस्यत्वा चक्रासमिक ॥ तस्मधुपर्क
प्रणिष्टकं मि ॥ १ ॥ खवला हानसगय
लं वनराय ॥ उं दवस्यत्वा ॥ दकि
स्यानामिकया विचालादयनिमनु ॥ ४ ॥
उं नम ॥ स्यावा ॥ स्यावाने धीरु आ
विद्वत्कनिकनामि ॥ अनामिको गु
दाया ह मो किष्कि किन ॥ स्याव ॥ अ

शुलानकायाव ननुन ॥ उं यमधुनाम
धर्वायय ॥ अर्थमना यीनना हं म
धुनामधुनयनमनयुयनानाशन
यनमामधुनानासा नि ॥ ३ ॥ स्वीयात्
॥ मधुपर्क ॥ अर्थयादिमि ॥ अर्थवनी
नय ॥ १ ॥ हस्तीन नासिचक ॥ ७ ॥

यन ॥ अमाणादकिण्डमानकधमान
हानानिष्ट ॥ १ ॥ वडुनीष्टुलिरि ॥ ४ ॥
उं वाद्य आ ॥ १ ॥ ॥ अर्थसा ॥ ॥ ॥
ऊर्ण गुदाया ॥ उं ना ॥ अर्थसा ॥ ॥ ॥
नासिकाया ॥ अनामिका गुदाया ॥ उं का
र्मवद्वननु ॥ नयन ॥ कनिष्ठा गुदाया
॥ उं कर्षुया ॥ अत्रमसु ॥ कर्षुया ॥ यधु
गुलिरि ॥ ४ ॥ ॥ वाहार्मवलमसु ॥ वा
रु ॥ ॥ यन ॥ वधुगुलिरि ॥ ४ ॥ उं उः
धार्मडाजामसु ॥ उडवय ॥ यन ॥ व
यधुगुलिरि ॥ ४ ॥ उं अविष्वा निमम
निगनू र्कधमसुसनु ॥ ननसर्वमण
विष्ट ॥ १ ॥ ७ ॥ ॥ ॥

नसुष्ठुपदं ॥ अर्थमिषाह ॥ उं
अर्थमिषाह ॥ अर्थमिषाह ॥ ७ ॥

जामागान ॥ उं अर्थप्रतिष्ठा मि ॥ उं मा
तात्राधदहितावसुना ॥ सुसादिः
या नाममृगस्यानाति ॥ प्रधवाव
किनुधजना यमा ॥ अमनाममदिः
निवसिषाममवाम्बयववायान

25

अथविधि ४॥ (मिहायानी वा य॥

उत्तोलो (मोममचय॥ आ को जामाजाय अमरुनव॥

कतः कन्यादानं॥ सुष्ठु न वदुः शठयदान
र्थ॥ उं दानाहं वदुः (आ न जाड वामादिय
देवर्ग॥ विद्या सो विदुः नय वदुः निवृत्तार्त्त
य विधि ४॥ अगदिष्ट कलियोग जामागु सा
लं कार्त्त सल कन्या दानं दानवर्ग॥ ७ ॥

जामागु न धाय ॥ उं दद स ॥ ॥

सुष्ठु न वदुः शठयदान कलियोग जामागु सा
लं कार्त्त सल कन्या दानं दानवर्ग॥ ७ ॥
उं अथादि ॥ अमुक (मया य अ
मुक नाम मम (आ) वामा धाय वसिष्ठ
य जामागु ॥ ॥ अमुक (मया य अमुक
यवर्त्त अमुक नाम्ना कन्या सालं का
लियुजा य निदवर्ग लं काय वा दाना
ज निना (मया य वरुया धं मम मया गम
नमरु कारुका (मया य सल निगुहा दिना
वाय मम (मया य सल काम ४ य ली लीन
उत्तमर्त्त सल दद ॥ उं निदाय (०७ ॥
जामागु सल (मया य लोहाय सल रुय ॥

सुष्ठु न वदुः शठयदान उं दद स ॥ धाय ॥

जामागु न धाय ॥ उं दद सल (मया य ली लीन

नना जामागु कन्या दानं दानवर्ग (०७ ॥
मानन इध धान विमान लोहाय लोहाय
यवर्त्त उं अथाय लामर्त्त वदुः (आ ददा उ
सामुत्त लामर्त्त सीया य दान य विमया मर्त्तः

यनिवृत्तः ॥ उदाय लामर्त्त वदुः (आ ददा
उसामुत्त लामर्त्त सीया ४ दान (आ ददा उ य विः
वर्त्त मर्त्त यु निवृत्तः ॥ उदाय लामर्त्त वदुः
मर्त्त वदुः (आ ददा उ सामुत्त लामर्त्त सीया
लामर्त्त य विमया मर्त्त यु निवृत्तः ॥
यमाय लामर्त्त वदुः (आ ददा उ सामुत्त
लामर्त्त सीया दान दान दान य वि
वर्त्त मर्त्त यु निवृत्तः ॥ उं सलिन (आ
युधय लामर्त्त वदुः (आ ददा उ सामुत्त
लामर्त्त सीया य दान य विमया मर्त्त
मर्त्त यु निवृत्तः ॥ उदाय लामर्त्त वदुः
य लामर्त्त वदुः (आ ददा उ उदाय लामर्त्त
वदुः (आ ददा उ सामुत्त लामर्त्त सीया दान
(आ ददा उ दान मर्त्त यु निवृत्तः ॥
अथ वास ४ य विमया मर्त्त यु निवृत्तः ॥
मर्त्त वदुः (आ ददा उ ४ वदुः लामर्त्त वदुः
मर्त्त वदुः (आ ददा उ सामुत्त लामर्त्त सीया लामर्त्त
लामर्त्त य विमया मर्त्त यु निवृत्तः ॥
अथ वास ४ य विमया मर्त्त यु निवृत्तः ॥
वदुः (आ ददा उ सामुत्त लामर्त्त सीया दान
य दान य विमया मर्त्त यु निवृत्तः ॥
य विमया मर्त्त यु निवृत्तः ॥ उं दान
दान दान दान दान दान दान दान दान दान
७ दान दान ४ दान ४ यु निवृत्तः ॥
कामर्त्त वदुः ॥ उं अथ दान दान दान दान
मर्त्त वदुः दान दान दान दान दान दान दान

[illegible]

साधनाय नमः कुरु नमः सुवर्णीनां । गङ्गा नानि
 कवीनः ११ ॥ ४४ ॥ ४५ ॥ ४६ ॥ ४७ ॥ ४८ ॥ ४९ ॥ ५० ॥
 ५१ ॥ ५२ ॥ ५३ ॥ ५४ ॥ ५५ ॥ ५६ ॥ ५७ ॥ ५८ ॥ ५९ ॥ ६० ॥
 ६१ ॥ ६२ ॥ ६३ ॥ ६४ ॥ ६५ ॥ ६६ ॥ ६७ ॥ ६८ ॥ ६९ ॥ ७० ॥
 ७१ ॥ ७२ ॥ ७३ ॥ ७४ ॥ ७५ ॥ ७६ ॥ ७७ ॥ ७८ ॥ ७९ ॥ ८० ॥
 ८१ ॥ ८२ ॥ ८३ ॥ ८४ ॥ ८५ ॥ ८६ ॥ ८७ ॥ ८८ ॥ ८९ ॥ ९० ॥
 ९१ ॥ ९२ ॥ ९३ ॥ ९४ ॥ ९५ ॥ ९६ ॥ ९७ ॥ ९८ ॥ ९९ ॥ १०० ॥

जामायादक्रि वाक्काय वधुजवयिः
 त्वामनु ॥ उँ आ शु ४ निष्मनावय
 रा ति ॥ उँ आ शु ४ निष्मनावय रा
 र्थे न्या रि युया दा द शर व निः
 दा द श मा सा ४ स न्ध त्म न स न्ध त्म न
 नि र्था वा व नि या व र्थ त्म मा ज्ञा त
 व र्थ वे न द क्रि वा त्म न्मा न्ध ४ रि ॥

[illegible]

[illegible]

आदि विनयस्य दृष्टं विनयस्य दृष्टं क
र्म कर्त्तुं न सज्जवदन्तं न्यायमके क
नया मीतिरुक्तं न्यायमन्यातः
कृत् कृत्ता ॥ ॥ ॐ नमः ॥ ॐ वि ॥ ॐ
सरकृत्तिनद ॥ ॐ विद्युजनेन मज्
स्वीति यजानन ॥ ॐ हियदिययाः
यदि साभादवावीन मिमिया भवेद
वावीना ॥ ॐ वावा वेवात्स धर्म् ॥ सर्वः
गद्यमिह्यं गमनि वे सर्वं गद्यमिह्यं गमनि
वेवात्स धर्म् स्वसय आत्मस नात्यात्म
समवसनाति युजासनीति युजानः
वसनात्सनातिलाक सनातिलाय
वेयजन् । नमवजनयत्ययसनाति
स्व ॥ ॐ वेला कारय ॥ स्वर्ग नव लोकः
ननयुतिमिह्यं मि युजावदन्तं न्यायमके क
स्वनयथा न्यायस्य सुधर्म् नित्यं न
वेनमनया जायति नाम नित्याय मिह्यं
हितमसर्व धर्मिह्यं नवधन माज्य मि
मेति वेदि नवधनमनृत् नवोक्तयः
मिह्यं मि ॥ ॐ मिह्यं नवधनमाज्य मि ॥

विथम्भक देवी ॥ कल्याणिकुमर
मन्त्रः ॥ ॐ यदे विमनस्य दूरं दिग्भा
नयवमानावाहिनः सवेष्टुयेकदु
४ मत्वावन्मनसा क नामि ॥ सावित्रीः
नामवक्त्रामि ॥ अम्भक देवी ॥ ॐ
वधूनामगुरु ॥ ॐ नै निष्कुमनेम
न्त्रः ॥ ॥ या ॐ हुं ह्रीं ह्रीं ह्रीं

वधुर्जा मागनिनीकन ॥ उं अथापचक्रु नय
 तिश्चिधिनिवायधुय ॥ ४४ ॥ समना ॥ सुवच्चीवी
 नहुर्दवकामास्थाना ॥ नोरुवद्विपदः
 संवत्सुष ॥ साम ॥ यथमादि विदगन्ध
 वी विविदड रुन ॥ ४५ ॥ गीया निव्ययति
 मु नियसुमनुष्यजा ॥ ४६ ॥ सामाददं गन्ध
 वी यगन्ध वी दददन्तयन यिश्चयुगः
 ॥ ४७ ॥ दाद मिममम (थ) ॥ ४८ ॥ सान ॥ ४९
 बा निवगमामेनय सानडुनडगीनिः
 रुन ॥ यस्या नृगान ॥ ५० ॥ रुनाम (ग) र्यय
 स्यामकामावरुवानि विष्णु ॥ ५१ ॥ ॥ सा
 वधु निनीकनानि विविद ॥ ५२ ॥ ४५ ॥
 दकिं वस्त्रा वधुजामागानि विष्णु ॥ ५३ ॥
 लाद किं वस्त्रे नजामाव वीमरा
 कोनिधाय ॥ ५४ ॥ ॥ गतावाम् ॥ ५५ ॥
 जादकिं वस्त्रे ॥ ५६ ॥ ॥ वाम् ॥ ५७ ॥
 दीदीयते ॥ ५८ ॥ ॥ धनव्यय ॥ ५९ ॥
 वनेनथथ ॥ ६० ॥ ॥ जिनिनदगयति ॥ ६१ ॥
 नीवेनगस्यद्वनन ॥ ६२ ॥ ॥ पुत्रविष्णुः
 यवियवस्त्रे ॥ ६३ ॥ ॥ जिनिन ॥ ६४ ॥
 स्वधुनग ॥ ६५ ॥ ॥ यन ॥ ६६ ॥
 वाम् ॥ ६७ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

गत ॥ ४४ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 गवृद्धमालिकाव ॥ ४५ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 यश्चिधकयश्चर्क ॥ ४६ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 कुमुदिधायरुलमाल ॥ ४७ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

गता ॥ ४४ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 मवत्रा धनरु ॥ ४५ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 यादवुष्मास्त्रायन ॥ ४६ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 नश्चिधकयश्चर्क ॥ ४७ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 लेव ॥ ४८ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 कर्न ॥ ४९ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 नि ॥ ५० ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 नश्चिधकय ॥ ५१ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 ययक ॥ ५२ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 कल ॥ ५३ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ५४ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ५५ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ५६ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ५७ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ५८ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ५९ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ६० ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ६१ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ६२ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ६३ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ६४ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ६५ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ६६ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ६७ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ६८ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ६९ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ७० ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ७१ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ७२ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ७३ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ७४ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ७५ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ७६ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ७७ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ७८ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ७९ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ८० ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ८१ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ८२ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ८३ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ८४ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ८५ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ८६ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ८७ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ८८ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ८९ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ९० ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ९१ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ९२ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ९३ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ९४ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ९५ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ९६ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ९७ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ९८ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ ९९ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 न ॥ १०० ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

गता ॥ ४४ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 रज ॥ ४५ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 वस्त्र ॥ ४६ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 दमृ ॥ ४७ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य ॥ ४८ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 वस्त्र ॥ ४९ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 गत्य ॥ ५० ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 साम ॥ ५१ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 र्णया ॥ ५२ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 दिगाय ॥ ५३ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 वीय ॥ ५४ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 यो ॥ ५५ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 स ॥ ५६ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 दमनी ॥ ५७ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 विष्णु ॥ ५८ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य ॥ ५९ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य ॥ ६० ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य ॥ ६१ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य ॥ ६२ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य ॥ ६३ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य ॥ ६४ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य ॥ ६५ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य ॥ ६६ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य ॥ ६७ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य ॥ ६८ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य ॥ ६९ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य ॥ ७० ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य ॥ ७१ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य ॥ ७२ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य ॥ ७३ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य ॥ ७४ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य ॥ ७५ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य ॥ ७६ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य ॥ ७७ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य ॥ ७८ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य ॥ ७९ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य ॥ ८० ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य ॥ ८१ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य ॥ ८२ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य ॥ ८३ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य ॥ ८४ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य ॥ ८५ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य ॥ ८६ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य ॥ ८७ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य ॥ ८८ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य ॥ ८९ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य ॥ ९० ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य ॥ ९१ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य ॥ ९२ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य ॥ ९३ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य ॥ ९४ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य ॥ ९५ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य ॥ ९६ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य ॥ ९७ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य ॥ ९८ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य ॥ ९९ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥
 य ॥ १०० ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥ ॥

[illegible]

कर्ममनसगन्धर्वय ॥ ॐ प्रजापति वि
माना ॥ ॐ कर्ममनसगन्धर्वय ॥
माना ॥ ॐ कर्ममनसगन्धर्वय ॥

[illegible][illegible]

मधियनय ॥ उं यमय धिक्कानामधियनि
४०० दयमायय धिक्कामामधियनयः
॥ ॥ उयस्यनर्न ॥ उं वायुनकचिक्रा
नामधियनि ४ समा र्वल्लिख्य कक्ष
लिंकल्लामाभिष्यस्ययुना धायामधि
कर्मस्यस्यदि वद्वल्ल ४ ल्लाला ॥ ००
दवायुवपननिक्रानामधियनय
॥ उं सूर्यादिवानामधियनि ४ यूव
व ० ॥ ०० दसूर्यायदिवनामधिय
नय ॥ उं वल्लमानकणानामधिय
नि ४ ॥ ०० दवल्लमसंनकणानामधि
यनय ॥ उं वल्लस्यनितुक्क ॥ धि
मनि ४ ॥ ०० दवल्लस्यनयवक्क ॥ धि
यय ॥ ॥ उं वल्ल ॥ धिअयानामधिय
निथ ॥ ०० दवल्ल ॥ धिअयानाम
धियनय ॥ उं समुद ४ ॥ धिअमधि
यनय ॥ ०० दसमुदोय ४ ॥ धिअमधि
यनय ॥ उं अने ४ समुद्रानामधिय
नि ४ ॥ ०० दमनायमासाधानामधिः
यनय ॥ उं सामडावधीनामधियन
य ॥ ०० दसामायडावधीनामधिय
नय ॥ उं सवितायुनवानामधियः
नि ४ ॥ ०० दसवितायुनवानामधिः
यनय ॥ उं उद ४ यल्लनामधियनति
॥ ०० दउदाययल्लनामधियनय ॥
॥ अनादकस्यनर्न ॥ ॥ उं ल
ल्लानामधियनि ॥ ०० दल्लल्ल

यानाम धियतय ॥ ॐ विष्णुः पर्वता
 नाम धियति ॥ ॐ विष्णुः पर्वता
 मधियतय ॥ ॐ मनुना गणनाम
 धियति ॥ समावत्त्वत्तिः तुम्ह धियति
 कृत्वा मां लिख्य मां पुत्रा धियामः
 सिन्धुर्मध्यस्थीदवद्वत्या ॥ स्वाहा
 ॥ ॐ मन्त्रा गणनाम धियति ॥
 ॐ विगन ॥ विगमला ॥ युधिगमला
 यन्त्र ॥ मन्त्रा गणनाम धियति ॥
 सिन्धुर्मध्यस्थीदवद्वत्या ॥ स्वाहा
 मां पुत्रा धियाम सिन्धुर्मध्यस्थी
 न्दवद्वत्या ॥ स्वाहा ॥ ॐ विष्णुः पर्वता
 विगमला ॥ युधिगमला ॥
 यन्त्रा यन्त्रा मन्त्रा ॥ मन्त्रा मन्त्रा
 ॥ ॐ यन्त्रा मन्त्रा ॥ ॐ यन्त्रा मन्त्रा ॥

थयययायदस्यमिदिदिविजानीय
 रीनदस्यसुदविनीधदिविउठस्य
 हा॥ नूदममयगर्हयथाय॥ ७ ॥

ॐ सगन्य लीयति सन ४८ हिष्ठा निष्ठा
 ॐ अज नून आय ४ अथ उमृ ल्य न मृ
 न मया गं द्वे वं वं गाना अरु र्य के ॐ
 उन ४ स्था ला ॥ ॥ रूंदी मृ ल्य वे ॥ ॥
 उपस्थ र्नि ॥ ॥ ॐ य न मृ ल्या अ नू
 य न हिय ल्या य रु अ नू र्ग न ना द व या
 ना ॥ व रु यो ग ४ व व न न व वी मि मा
 न ४ यु जा ४ मि नी धा मा न वी ना न स्था ला
 ॥ रूंदी मृ ल्य वे वे व व व गाय ल्यो ग ॥ ॥
 उपस्थ र्नि ॥ ॥ ॐ यु जा य न य स्था
 ला ॥ ॐ अ र्म य स्था ला ॥ ॥ ७ ॥

गंगा वक्रा युष्मिन् वद लोकपाल
वक्रा अष्टकलभ नागयक्रयक्र
दाष्टीलक्ष्मीमधुत्रवलि रमाञ्ज
ससुष्टुमदिमालकास्मिन् यन्त्रः
निर्दुष्टया अष्टयन्त्राष्टयष्टु ॥
ॐ पुष्टुद्विपनायनस्य ॥

नमस्तु नारायण ॥ वृद्धिपात्रः
धर्म ॥ यथा कृतं तल्लक्षणं यक्ष
मृतसमीपेति । समिधैव रुतः
यथैवेकवस्त्राकमालिका ॥ अ
नन्निधाय ॥ गायत्रीजय ॥ ॐ
ॐ दधौ हवीष्यति ॥ आभाद्य ॥

यूजनं ॥ संकलयाय ॥ घृताहृति
 कुमभतिलाहृति ॥ समिधं हन
 ॥ त्वत्त्वदहनयुद्धं ॥ वक्रादिभू
 वृकलेष्मदिः स्वाय ॥ युतिष्ठा ॥
 तिलाहृति युद्धं ॥ ॥ गंगावाः
 जाहृति ॥ गजध्वजामगस्यः श्रीय
 उषनः गवानस्य दयसमिधनस्य
 दृगनस्यः कामः मनुः ॥ ॐ अर्थमर्न
 दव कन्यानियमकृत ॥ सनायमा
 दवधुनामृवउमायन ॥ स्वाहा ॥
 वहुवानः धलदायक ॥ ॐ दमनः
 य ॥ १ ॥ ॐ ॥ यं नार्क्ष्यकृतलजा
 नावयनिका ॥ आयुष्मानमुमय
 निषधनी ॥ क्कानयाममस्वाहा ॥
 ॐ दमनयद्युतन ॥ २ ॥ ॐ ॥ मां न
 जानावयाम्यः क्कानसमधीकने गीत
 व ॥ ममउद्युतसंगदनीनदः निवन
 मन्मगामिय ॥ स्वाहा ॥ ॐ दमनय
 दृगन ॥ ३ ॥ गत ॥ कन्याया आलाः
 जाह्वः जिनिनयउद्य ॥ ॐ ग्कामि
 निसोरगत्वाय रुसमयावत्या जल
 दक्षिणैथाम ॥ ४ ॥ ॐ अर्थमास वि
 नायुर्धर्मिस्त्रीत्वाउद्युतहयेत्या
 यदेवा ॥ अहोहमसिमालव ॥ स्वा
 लमस्यमा अहं सोमाहमसिजः
 त्वेयं पैदयधिवीत्वगावैदु विव
 हावदममनगादधायुजाजन

यावदेयं जीविद्यावदेव द्रुन । नर्म
 उज्जलदक्षय ४ सं प्रिया नो विष्णु ४
 सुमनस्य मा यो ४ यब्धमणनद ४ सं
 न ४ ४ ४ यामणनद ४ ४ ४ ४ ॥ ७ ॥
 मन्त्रे हस्तु हस्तु मन्त्र विचारु ॥ ॥
 अथ कृष्ण उक्तु नः आसास्यं । त्रिनि या
 जवया यः वधूयाववया यः ॥ मा
 सद्य उ यावकं ॥ लखवधनथस्य
 लोसालावर्धन ॥ ॐ आ नार्हमन्त्रः
 मन्मानमसेवत्व ० स्त्रि नार्हव ४ अ
 हि निष्ठय न न्य नो ववा यस्त्रे य न न
 यन ॥ जामा नानय उयं ॥ मंगल म
 दा य ॥ आदियं आ नूया मन्त्र व आ न
 थं मय नि मथ ॥ ॐ स न स्वगी युन
 मि व गुरु न वा त्रि नी व नि । यी त्वा
 वि ष्वस्य रू ग स्य युजा या म स्या गु
 न ४ । य स्य रू ग स म रु व द्य स्य वि
 ष्व मि दी उ न ७ । न म द्य मथ म स्या
 मिया मी ना म रु म य न ४ ॥ ० ॥
 मथ ॥ ॥ न न अग्नि वृत्त वृत्त
 दायकं ॥ ० ॥ न न अग्नि वृत्त वृत्त
 य ॥ ॐ न म ४ ४ मू वा य व ॥ ॥ य
 नि कु म न या य । स्त्रि न न न दाय व न
 ॥ आ धन य ४ ४ न ना व न दाय ॥ ॐ
 युजा य न न ॥ ॥ य नि कु म या यः
 व न ॥ अ धन य ४ ४ न ना व न दाय
 ल ॥ ॐ न व वा य ॥ ॥ जामा नानयः

20.

15

10

5

० ति ॥ ऊँ ह्रस्व ऐनय र्यवरुत ४ सूर्य
मरुतनासह ४। यून ४ यतिर्याजाया
दाऐन ४ युजया सह ॥ २ ॥ ७ ॥

[illegible]

25

श्रीविष्णुस्नानयन्त्र ॥ ॐ सर्वस्य कथं दारु
 वसामानुवगात्तव विष्णुस्नानयन्त्र ॥ १
 गतावधु मूर्ध्ना रिषिधु ति यत्तुषर्कः
 धर्मिगतादगनास्त्रादियस्वै ॥ ३ ॥ ॐ
 उवगाया लंवनदाय यत्तुषर्कव
 धु ॥ ॐ आय ॥ ४ ॥ विवगमा ॥ ५ ॥ का ॥ ६ ॥ नः
 गमासि कृधनु रुषर्क ॥ ७ ॥ ॐ आय ॥ ८ ॥ रि
 द्वा ॥ ९ ॥ ॐ याव ॥ १० ॥ विवगमा ॥ ११ ॥ ॐ न
 स्मानं गमास दाजस्य ॥ १२ ॥ नि रि सु रि
 १३ ॥ वल्ल कं रि च यव धु ॥ १४ ॥ व धु सूर्य के
 ने ॥ १५ ॥ ॐ न ॥ १६ ॥ देव हि नीय न ॥ १७ ॥ कः
 मूर्ध्वन य ॥ १८ ॥ मस नद ॥ १९ ॥ ॐ जीवः
 म ॥ २० ॥ नद ॥ २१ ॥ ॐ धु याम ॥ २२ ॥ नद ॥
 २३ ॥ नद ॥ २४ ॥ नद ॥ २५ ॥ नद ॥ २६ ॥ नद ॥
 २७ ॥ नद ॥ २८ ॥ नद ॥ २९ ॥ नद ॥ ३० ॥ नद ॥
 ३१ ॥ नद ॥ ३२ ॥ नद ॥ ३३ ॥ नद ॥ ३४ ॥ नद ॥
 ३५ ॥ नद ॥ ३६ ॥ नद ॥ ३७ ॥ नद ॥ ३८ ॥ नद ॥
 ३९ ॥ नद ॥ ४० ॥ नद ॥ ४१ ॥ नद ॥ ४२ ॥ नद ॥
 ४३ ॥ नद ॥ ४४ ॥ नद ॥ ४५ ॥ नद ॥ ४६ ॥ नद ॥
 ४७ ॥ नद ॥ ४८ ॥ नद ॥ ४९ ॥ नद ॥ ५० ॥ नद ॥
 ५१ ॥ नद ॥ ५२ ॥ नद ॥ ५३ ॥ नद ॥ ५४ ॥ नद ॥
 ५५ ॥ नद ॥ ५६ ॥ नद ॥ ५७ ॥ नद ॥ ५८ ॥ नद ॥
 ५९ ॥ नद ॥ ६० ॥ नद ॥ ६१ ॥ नद ॥ ६२ ॥ नद ॥
 ६३ ॥ नद ॥ ६४ ॥ नद ॥ ६५ ॥ नद ॥ ६६ ॥ नद ॥
 ६७ ॥ नद ॥ ६८ ॥ नद ॥ ६९ ॥ नद ॥ ७० ॥ नद ॥
 ७१ ॥ नद ॥ ७२ ॥ नद ॥ ७३ ॥ नद ॥ ७४ ॥ नद ॥
 ७५ ॥ नद ॥ ७६ ॥ नद ॥ ७७ ॥ नद ॥ ७८ ॥ नद ॥
 ७९ ॥ नद ॥ ८० ॥ नद ॥ ८१ ॥ नद ॥ ८२ ॥ नद ॥
 ८३ ॥ नद ॥ ८४ ॥ नद ॥ ८५ ॥ नद ॥ ८६ ॥ नद ॥
 ८७ ॥ नद ॥ ८८ ॥ नद ॥ ८९ ॥ नद ॥ ९० ॥ नद ॥
 ९१ ॥ नद ॥ ९२ ॥ नद ॥ ९३ ॥ नद ॥ ९४ ॥ नद ॥
 ९५ ॥ नद ॥ ९६ ॥ नद ॥ ९७ ॥ नद ॥ ९८ ॥ नद ॥
 ९९ ॥ नद ॥ १०० ॥ नद ॥

सिद्धासनवनननन ॥ धन ॥ सखाद
 ति ॥ नाडादस ॥ धम्मिक योद्धिक ॥
 वाक्कनयुजा ॥ यव धान्या दिविदि
 हास ॥ अं अं अं अं अं अं अं अं
 ॥ वलिपूजा ॥ यम दीयवृत्तिका हा
 म ॥ वलिरुनर्ष ॥ दक्षिण दान ॥
 वाचननय ॥ संधिव्यापन ॥ यक्ष
 ॥ अं दवागड ॥ आयायस्यस्य ति ॥
 आसमाय (ध ७) ॥ जायसाय ॥ अं अं
 (ध ८) ॥ यमनि ॥ अं अं धादि ॥ व
 आग्निआशीवीद ॥ अं ननूयाः
 (ध ९) ॥ वाचनजलना रिषर्क ॥
 चन्दन सीन्दूल सगु धादि आशीवी
 द ॥ सरु आनयिय तिष्ठा ॥ अं मना
 इति ॥ ॥ वीदावनकाय ॥ ॥
 यक्षविसर्जन ॥ इरायिन्वाकाय ॥
 ॥ वक्षा अक्षकलषा विसर्जनमया
 (ध १०) ॥ (ध ११) ॥ सीपत्र वर्षका दिस्स
 लामालावनननन स्वस्तिकसक ॥ नि
 रवानन सरु हाजनेक ॥ नागीरुन
 दासी सया अकसहन ॥ ग्रीपत्र
 नार्यदनमात्र ॥ अं विवादासमाफ ॥

[illegible]

नूपजाग ॥ वृक्षालंखन. अरिषक
 ॥ लाजारुलारिषक ॥ अष्टकल
 क्राचक ॥ धादिनन वियसकल
 नं झाय ॥ श्रीवक्त्र. पृथग्नि ॥ य
 न. चिह्निसि ॥ ध्वज. धंकादिमिज
 न ॥ कलश. मीसाधंकादि ॥ चाम
 ल. नाकाधंकादि ॥ मङ्क. आवाल
 ॥ कुण्ड. चण्डकाल ॥ शरव. नड ॥ व
 म्मावृक्षधीवाया ॥ ॥ कलशाल
 ननवृक्षालंखनमूढाव. वृक्षकुण्ड
 नचक ॥ वृक्षारिषककाय ॥ अ
 शुभ. पृथग्नि ॥ दीमरदकाः
 स्य ॥ ॥ ध्वज. धीवादेकायक ॥
 स्य शुभयादेकुलिन ॥ ॥ जिलि
 यादेकुलिन. काकायक ॥ ध्यादाम
 जिलियादेकुलियागी ॥ धनसमर्ल
 गजागयादववय ॥ अधीनिरुः
 धिनिहासासगवृन्दकायसादः
 चिह्ननि. धनकी. ध्वयसिधुद
 वताववय. वधुदया. जामार्जन
 भावाववय ॥ ॥ सिद्धलसान
 निकिसाल. विद्वमूढ. धाधमू
 द. नार्यवासीरुय ॥ मीपृत्रय.
 उषवनकायकमाल ॥ ॥ य
 न्ययादानसधंकादिस्थ. लंसा

स्यात्सालावः वृक्षाद्यानर्गनके ॥
 श्लो ॥ धनलिखितिकसनयायका
 व ॥ वास्यैरुयानसाकः वनविय ॥
 वधूनजामातास्वष्टुनयाकरुयास
 शुधविय ॥ (अध्वियागी (अध्ववि
 यके ॥ पुनृषयाष्टुनीसष्टुधविय
 के ॥ धंकोदिस्य ॥ नहिनयासष्टुध
 धविनः सरुहाजन ॥ आगधमाः
 लकांगयाव ॥ वाम्नाधनेस्वस्तिक
 वायनय (० ७ ॥ धनकैयकल
 कक्काय ॥ वाम्नानेयुजा ॥ डंयज
 माना अमुकस्यः सूमीगलज्जाः
 सरुहाजने निमित्तार्थयाक्का ॥
 जयमाना शादी ॥ धनसूमीग
 लयागया विधिसमायनी ॥

[illegible]

धिमभुवकलभावेन ॥ वक्राग्र
कलभासहस्रसदंकायायसिया
जायानकायवक्र ॥ वलि.व्यउजा
भाभासादि.वदि.दीनीभादि.स्वस्वव
दनयुर्ज ॥ ध्रुवदीपयुतिष्ठा ॥ साउ
यायमालकार्ज ॥ ननाग्रथयकासा
धनं कृत्वा ॥ वउसाधनं याय ॥ ॥

आर्यस्फालीचउस्फालीग्रयुर्कृष्ण
॥ यतर्षीर्ष ॥ समार्जन ॥ आर्यस्फ
लीमाष्टनिधाय ॥ उं महिनीय ॥
ननः ॥ उसाधनं ॥ ययुष ॥ उं
कृष्णमी ॥ कृष्णं ॥ उं वृषवृद्ध
ति ॥ इलासत ॥ उं यनायन ॥ न
कृ ॥ यवोर्न ॥ उं दवाव ॥ सविः
नति ॥ दवारार्जदद ॥ नवविः
सग. जाके ॥ उं ॥ धस्त्राति ॥ नती
क. मसकृय ॥ उं अयदनाति ॥ सर्व
कृष्णधुवत ॥ अक्षदभसमिधका
र्म ॥ अनियानार्म ॥ उं निखिनामा
नयस्त्राहा ॥ ॥ पूर्वोद्यानडरु
नाद्यामन ॥ वदाकृति. यक्षवाउः
धर्क ॥ ॥ उं यजायनयस्त्राहा
॥ अग्नि कृष्णयाद्वत. जलिलाः
सर्लखन. थस्त्राहा ॥ उं कयायस्त्राः
य ॥ उं आन ॥ उं ययविरुत्तदवा
नीययविरुत्तसिवाकृष्णस्त्राहा

यकामडय ॥ वसियास्येयसिदीनन
कामस्येनायस्त्राहा ॥ उं मदनयः
ययविरुत्तय ॥ उं वधायायविरुत्त
लंदवानीययविरुत्तसिवाकृष्ण
स्त्राहा ॥ यकामडय ॥ वसियास्ये
यजायननूस्त्राहा ॥ मस्येनायस्त्रा
हा ॥ उं दवायवयायविरुत्तय ॥
उं सूर्यायायविरुत्तलंदवानीय
यविरुत्तसि. वाकृष्णस्त्राहा ॥ यका
मडय ॥ वसियास्येयययुषीः
ननूस्त्राहा ॥ मस्येनायस्त्राहा ॥ उं
दसूर्यायायविरुत्तय ॥ उं च
उं ॥ ययविरुत्तलंदवानीययः
यविरुत्तसिवाकृष्णस्त्राहा ॥ यका
मडय ॥ वसियास्येयययुषीन
नूस्त्राहा ॥ मस्येनायस्त्राहा ॥ उं
वदमसयायविरुत्तय ॥ उं र्गध
वयायविरुत्तलंदवानीययविरुत्त
सिवाकृष्णस्त्राहा ॥ यकामडय
॥ वसियास्येय ॥ ययुषीननूस्त्रा
मस्येनायस्त्राहा ॥ उं दवायव
यययविरुत्तय ॥ ॥ उं यजाय
नयस्त्राहा ॥ उं दवायययय ॥
वक्रादिसकलकृष्णयाद्वतिवि
य ॥ ययविरुत्तय ॥ ॥ ननसिला
कृत्तिवृत्तकृत्तिवृत्तकृत्तिवृत्त

सहस्रकृपा दिवायमाचकीं ॥ तिला
कृतियुष्मन्निधन धनकातय ॥

गतावधुयस्तुसिंहासुनयाः यं विनं
सुलिकसुलासालावसिंहा ॥ यत्रध
न ॥ निमिर्कन ॥ उं न कोहन ॥ वलि
॥ अथियागलं रवनदाय ॥ उं सुलि
न ॥ ॥ वधुनवक्रादिलान
गनके धूयदीयः सार्ग ॥ धन धन
कावः मगरुताउचाः संयाजा न
नदाय ॥ यत्रधन ॥ सुसिवलान
'कलिलाल' विविधैः संयाय ॥
विगहन ॥ धन ॥ उलिमलाम
वाढलं रवनदाय ॥ उं यागयति
ध्रीयजा ध्रीयधु ध्रीगुरु ध्रीय ॥
ध्रीनिदितागनू ऊं न ध्रीकतः
अनीकयानि ॥ साणी यैलं मया
सहसावित्रि ॥ अमुकदेवीतिः
सुविकर्ष ॥ ॥ अथियागलं रव
नदाय ॥ सिंधुमूढनदाय ॥
यागलं दसुकाय ॥ सिंधुकाययु
त्रवन ॥ उं सिंधुयाया रुधसुमूक
ममु ॥ उं लंज विष्टदा ॥ सिंधु
सर्वसिद्धार्थलिनसाधायै न ल
या ॥ स्वामिना दीर्घमायुर्षीयुतः

॥ अलंगतलयावद ॥ उं अथस्तु धानिषदनं यन्मोवसति
कलागमराऊं लिनासथयकनवधयोन्म ॥

॥ योरादिवर्द्धन ॥ वदनादि आणी
वर्द्ध ॥ सिंधुमूढकाय ॥ मासवध
॥ युतिष्ठा ॥ वधुलासालावकृतिर्नसु
लिकसस्तन ॥ वत्रयासनयावक
॥ वत्र आगधनयमनवः रुलकन
नयः यश्च वलिङ्काकायायमाल
वत्रन ॥ यत्रधन ॥ यत्रधन ॥ यत्रधन ॥
॥ मनु ॥ उं यागलं रवनदाय ॥
मिः अलिकित्तु निमा ॥ सेमा
॥ सा नित्यावाचमिति ॥ उं सु
सिवाचनं य ॥ ॥ ॥ यत्रधन ॥
कायमाल ॥ ॥ ॥

गत ४ संख्यादुर्ग ॥ अलिकित्तु यो
दिकाहार्म ॥ वधुददयसवि
यमनु ॥ उं यलं रवनदाय ॥
दिविर्वदमसिलिर्ग ॥ वदाह न
विष्टल्य ॥ अम ४ ४ नद ४ ४ नः
जीवमलनद ४ ४ न ४ ४ याम
नद ४ ४ न ॥ ॥ यवधन्याः
दिहार्म ॥ धनमागदाय ॥
वलियुजर्न ॥ यत्रधन ॥ यत्रधन
काहार्म ॥ याय अलिकित्तु ॥
वलिरुल ॥ ॥ ॥ दक्रिधः
दानं ॥ ॥ गत ४ संख्यादुर्ग ॥

॥ योरादिवर्द्धन ॥ वदनादि आणी
वर्द्ध ॥ सिंधुमूढकाय ॥ मासवध
॥ युतिष्ठा ॥ वधुलासालावकृतिर्नसु
लिकसस्तन ॥ वत्रयासनयावक
॥ वत्र आगधनयमनवः रुलकन
नयः यश्च वलिङ्काकायायमाल
वत्रन ॥ यत्रधन ॥ यत्रधन ॥ यत्रधन ॥
॥ मनु ॥ उं यागलं रवनदाय ॥
मिः अलिकित्तु निमा ॥ सेमा
॥ सा नित्यावाचमिति ॥ उं सु
सिवाचनं य ॥ ॥ ॥ यत्रधन ॥
कायमाल ॥ ॥ ॥

ॐ दवागमः ॥ ॐ आद्यायस्वस्वति
॥ आर्हासाय ॥ ॐ मन्त्रार्थसन्तु
॥ जायमानः ॥ ॐ जलद्वयस्यः
स्वयादा ॥ बुद्धादिमाकोरुमु
नियक्त ॥ ॐ सन्तु ४ सन्तु ॥ अर्जुन
आदि ॥ ॥ बुद्धानामाशीर्वा
दं ॥ बुद्धायुधीत विसर्जनं ॥
ॐ तनूयात्नसिति ॥ मर्धकः
वर्ध ॥ बुद्धायार्त्तस्वनश्रुति
वर्क ॥ चन्दनसिन्दूरसन्तु ४
शीर्वादि ॥ ॥ सूर्यमात्राय
तिष्ठा ॥ लाजाम्बिना ॥ यद्वा
विसर्जनं ॥ सूर्यमात्राय ॥ बुद्धा
लक्ष्म्यालालसन्तु ४ सन्तु ॥
यावधर्तस्वनश्रुतिवर्कका
यक ॥ बुद्धाकजगत्त्राय ॥
अष्टकलसमर्जनात् ॥ ॥
य ॥ ॥ यिनायकाष्टकायाव
काय ॥ व्ययसामाष्टमालका
रुवियक ॥ ॥ सामाष्टमाल ॥
ॐ तिवरुयिविषि ४ समाक ॥

अथ नारुनया विधिः ॥ बाल
नय यर्कः ॥ धवद्वयाचनः ॥
ॐ ॥ काचिनाय पूजा ॥ समयद
यर्कः ॥ वाहनदयर्कः ॥ वनमाः
ल ॥ श्रीपुत्र्य ॥ धनलिखदय
नियुजा ॥ यष्टुर्क ॥ अदिमाः
उं कृत्वा ॥ धन ॥ रुनिनी ॥ सगव
दिका ॥ यसादयीदिनी ॥ धननः
श्रीमृपुत्र्यस्य ॥ धव ॥ शुलि
इनर्क ॥ लीसाय ॥ निर्मचुन ॥
उं नक्रादृष्टि ॥ वलि ॥ उं अर्थ
वाचद ॥ अग्निपाद ॥ वक्रा ॥ स
गुधनखाळावकचकाव ॥ ल
ख ॥ अल ॥ धर्म ॥ ला ॥ माला ॥ यन ॥ ॥ ध
रुनिनी ॥ अगवन्दका ॥ यसादवि
दिनि ॥ दय ॥ नीर्क ॥ लाय ॥ कास
लया ॥ कमलादय ॥ लि ॥ लाय ॥
यवदक ॥ अलाव ॥ लाय ॥ कोमा
यी ॥ गाभ ॥ दि ॥ धनकावचन्दः
अदि ॥ माहानी ॥ अस्म ॥ अर्थ
वर्ष ॥ स ॥ यधना ॥ रुन ॥ ला
अकली ॥ का ॥ रु ॥ नि ॥ ला ॥ रुन
या ॥ यलिया ॥ ति ॥ विधि ॥ ॥ ॥ ॥
ॐ ॥ दिद ॥ अक ॥ म ॥ विधि ॥ स ॥ पु

25

25

शतसावगार्थीना॥र्थव्याघातचालर्न॥ १ ॥ ॐ गमर्गस्य गमगुप्तमर्गस्य लिलरा
 नदाजी गिरसवारुस्यथ गियक्षुय वलमाधुनि नभभव वाडभभयचववस्यः ॥ नि
 रवनायुनीनगभोद्रवः ॥ भिरवनायायभरु दानकचन वकमलभ विगस्य ॥ लिललि
 नयहनमहिमनुपस्रुपुषाली सफरुभर्न कनमलाना भभिशिनाडः ॥ भिमम विफ्र
 मानचक्षाम्बुजागाधिनस्य ॥ श्री ३ धन ईध्वन रुद्रानकयादप्यकजयज्ञानगस्यः ॥ श्री ३
 धृतिम स्त्रिकृष्णवयादप्यकनृहायासितस्यः ॥ श्री ३ र्णकनना नाय वचन वकमले धृलि
 धूसनिगा रुमाङ्गस्यः ॥ श्री ३ स्वष्टुदव वानिगाद्रुनगत्यनस्यः ॥ श्री ३ मानेध्वनी जयलक्ष्मी
 वृद्धवगावल लघुपुसादिनस्यः ॥ श्री ३ र्यवान्नि रुद्रनिशरुवनपविणी रुद्रगय नमव

अथर्वसुष्टयविष्ट निगणेषदिर्गनदिगर्गनातिलिखितगुणगणनिननननि
 नवयगश्रयथादिदिविधविद्या विनादनलिनयकाठनिक दिनकनस्यमयादामहा
 दस्यनिरादिदियुक्तमअमृकणमगहयुयोणाय ॥ १ ॥ अमृकणमगहयुयोणाय ॥ २
 अमृकणमगहयुयोणाय ॥ ३ ॥ अमृकणमगहयुयोणाय ॥ ४ ॥ अमृकणमगहयुयोणाय ॥ ५
 अमृकणमगहयुयोणाय ॥ ६ ॥ अमृकणमगहयुयोणाय ॥ ७ ॥ अमृकणमगहयुयोणाय ॥ ८
 अमृकणमगहयुयोणाय ॥ ९ ॥ अमृकणमगहयुयोणाय ॥ १० ॥ अमृकणमगहयुयोणाय ॥ ११
 अमृकणमगहयुयोणाय ॥ १२ ॥ अमृकणमगहयुयोणाय ॥ १३ ॥ अमृकणमगहयुयोणाय ॥ १४
 अमृकणमगहयुयोणाय ॥ १५ ॥ अमृकणमगहयुयोणाय ॥ १६ ॥ अमृकणमगहयुयोणाय ॥ १७
 अमृकणमगहयुयोणाय ॥ १८ ॥ अमृकणमगहयुयोणाय ॥ १९ ॥ अमृकणमगहयुयोणाय ॥ २०

यिअसिगमृद्धजस्यः श्रीशरणवर्गादवीनित्याश्चननगस्यः श्रीश्चनन्निध्वनचननक
 मलसपय्योनगस्यः श्रीश्चमानभध्वनी दूदवगाष्टुजानगस्यः श्रीश्चयप्रभानिहयस
 मविगम्यः निगणस्यनयश्वेदमयादामहादव्यविद्विधविद्विदावलीविनाद
 मानसममयुक्रियानलिनरास्तेनषट्कर्मनिनगसुसमृद्धलेकनयाल
 दन्तीयपनमल्लिखितान्वयः अमृकणमगहयुयोणाय ॥ १ ॥ अमृकणमगहयुयोणाय ॥ २ ॥ अमृकणमगहयुयोणाय ॥ ३ ॥ अमृकणमगहयुयोणाय ॥ ४ ॥ अमृकणमगहयुयोणाय ॥ ५ ॥ अमृकणमगहयुयोणाय ॥ ६ ॥ अमृकणमगहयुयोणाय ॥ ७ ॥ अमृकणमगहयुयोणाय ॥ ८ ॥ अमृकणमगहयुयोणाय ॥ ९ ॥ अमृकणमगहयुयोणाय ॥ १० ॥ अमृकणमगहयुयोणाय ॥ ११ ॥ अमृकणमगहयुयोणाय ॥ १२ ॥ अमृकणमगहयुयोणाय ॥ १३ ॥ अमृकणमगहयुयोणाय ॥ १४ ॥ अमृकणमगहयुयोणाय ॥ १५ ॥ अमृकणमगहयुयोणाय ॥ १६ ॥ अमृकणमगहयुयोणाय ॥ १७ ॥ अमृकणमगहयुयोणाय ॥ १८ ॥ अमृकणमगहयुयोणाय ॥ १९ ॥ अमृकणमगहयुयोणाय ॥ २०

वैष्णवस्य श्रीसुनीगपदनस्यैषु धलीसफरुष्णलंकुगमलानागम विनाडश्रीमन्म
 निक्रमानयदयीकडसविगस्य श्रीउपध्वनिहारपुवद्विगयुहयमानाद्वैद्युः
 स्य श्रीउध्वनीजध्वनयादपद्रयविश्यामिगामाक्षस्य श्रीउभ्रसिमल्लकेणवसदा
 नाधनयनस्य श्रीरैरवरुवानीष्टदवीयददन्दुयथाऊयुजिगस्य श्रीउशिषकीध्व
 नीसर्वदात्रनचगस्य श्रीउशीमध्वनीयुिसभागसुवभाकजिगस्य श्रीउमरुवा
 नयुसन्नरुनमस्युनिदिनेवदध्वनिनासमागधिमस्य श्रीउनल्लध्वनानुद्यसाहः
 दायनोयलस्य श्रीउक्रुकि कध्वनीष्टदवगायतिदिनमहायवीयमान विकस्य श्री
 उमानध्वनीष्टदवगावनल्लक्ष्मीनादिगविष्टस्य विविधविनुदावलीविनाजमान
 समस्तुल्युकि यापनायकावनेसिकनिएष्वनयशर्वदयदकुमर्सदिगाया
 ० सत्याचावस्योदार्ढवस्य अमृकलमोद ४ युयोगाय ॥ ॥ अमृकलमोद ४ युयोगाय ॥

युगेशी योशी वगी वनविने ॥

या ॥ २ ॥ अमृकलमोद ४ युगाय ॥ ३ ॥ अमृकलमोदकन्याथो ॥ ४ ॥ ध्वलरुनविनी
 या (नमशाञ्जान ॥ ४ ॥ अमृकलमोद ४ युगाय ॥ ४ ॥ अमृकलमोद ४ युगाय ॥ ४ ॥
 अमृकलमोद ४ युगाय ॥ ४ ॥ अमृकलमोद ४ युगाय ॥ ४ ॥ अमृकलमोद ४ युगाय ॥ ४ ॥
 अमृकलमोद ४ युगाय ॥ ४ ॥ अमृकलमोद ४ युगाय ॥ ४ ॥ अमृकलमोद ४ युगाय ॥ ४ ॥
 अमृकलमोद ४ युगाय ॥ ४ ॥ अमृकलमोद ४ युगाय ॥ ४ ॥ अमृकलमोद ४ युगाय ॥ ४ ॥
 अमृकलमोद ४ युगाय ॥ ४ ॥ अमृकलमोद ४ युगाय ॥ ४ ॥ अमृकलमोद ४ युगाय ॥ ४ ॥
 अमृकलमोद ४ युगाय ॥ ४ ॥ अमृकलमोद ४ युगाय ॥ ४ ॥ अमृकलमोद ४ युगाय ॥ ४ ॥
 अमृकलमोद ४ युगाय ॥ ४ ॥ अमृकलमोद ४ युगाय ॥ ४ ॥ अमृकलमोद ४ युगाय ॥ ४ ॥
 अमृकलमोद ४ युगाय ॥ ४ ॥ अमृकलमोद ४ युगाय ॥ ४ ॥ अमृकलमोद ४ युगाय ॥ ४ ॥
 अमृकलमोद ४ युगाय ॥ ४ ॥ अमृकलमोद ४ युगाय ॥ ४ ॥ अमृकलमोद ४ युगाय ॥ ४ ॥

१. अथ ज्ञादिस्थ इति ॥ गयसा राविता
ऊगाधना वल्कना जिनसं कृन्नो गयस्य
कृमात्री वडु निवर्षसरुसाधी गयसस्त
ऊसा गयती निख्याता कृन्ना रुवधगद्वि
गंरानृय गृधूममवायं वासुणी वत्सना
रुवा नमागदानिका विधवाष्ट यूगा जीव
वत्सानरुववादिनी यीयवादिनी ययव
वादिनी सख्यवादिनी वसुधैव कुटुम्बकमा
नर्नखजगि विनर्नखजगि रुद्रार्नखाधि
नर्नखजगि नर्नखस्य जगि नर्नख ॥ ॥ यथ
न्यस्येन्यसि यथादगं नथस्य कोष्ठाल्या य
थागमस्य जीगा यथावावधस्य मन्दादनी
यथावाविनस्तावा यथावायार्नजना य
थानवस्य दमयन्ती यथासोदासस्य मदय
की यथादूना नवसउर्वणी यथायूना नर्म
दा यथाग्नकनार्गगा यथाभृगवाष्टस्य ग
न्धवी यथायाष्टी कृन्ती यथावान्दवानां
दायदी यथाऊनस्य सूरुदा यथासीमस
नस्य हिदम्वा यथाइथाधिनस्य रानुमती य
थादिस्थस्य कृया यथावन्यस्य वाहिणी य
थागलयगेवृद्धिमति यथागुन नूसृया य
थागस्त्यस्य नायामूदा यथायागंश्वनस्य मेरि
यथावृद्धस्य सावित्री यथाविष्णुस्य वृद्धमनी
यथाभावस्य यगं नर्वतवयं गृहवसुव
मार्कना ॥ सूर्यागा ॥ अथीगा रुवल्कु ॥ अथगा
मर्कना विमार्कन्य वावृष्टा र्यां गार्कनानि स
त्तार्कनानि रुवल्कु ॥ ॥ अथ्यादिस्थ इति ॥

[illegible]

25
20
15
10
5

लापसना रुवत्यतिरुत्तरं रुद्रं रुद्रं कि
मसाहं क्रियावतामिति गुणं वाक्छिन्न
मानत्वावतुनानोदवसरुसंरुयविष्ठा
उतिच्छकावनमोन्वनकायविष्ठाया
यामूलां मूलाययवायवायकातिरुपाय
लिच्छित्तुमीकाहविष्ठायां कर्त्तुं रुद्रं
ति ॥ ८ ॥ ॐ दानि नावायनेरुगवाक्छि
म्भुयधम्मनिष्ठाया धावयतां नीत्वा मु
द्वेनस्यमथर्नकरुयमित्युक्ता गदकना ॥
२ ॥ गगजागानि वन्तामुद्वेष्टवाद्यस्थ
वन्दमाश्रमृता ॥ सुनमृतेनावतामार्तं
गहनकरुत्तुकादिगानिर्मलंगगर्ध
मन्दमन्दासुगन्धश्चवायवावनानिव
ध्वा निवध्वा निनगन्धवानियुष्टितास्थ
वनस्यतयगहनन्दाहिलोकासगाइइग्ध
ववेजन्मायप्रयप्रनगालक्ष्मीववताव ॥
१० ॥ अथपिगार्नाकन्यामरिनन्दयतिलि
लावतिजावतवन्द्यक्रोयावयावायुथिष्ठा
यावर्त्तुनागधोगगनयावत्सविनः ॥ सर्वा
यावयुथीविरुधमायावदकनातिगगना
यावधानवृषावायवायावद्वदगदिष्ठा
यात्सर्वलाकायावत्सर्वदवायावत्सर्वव
दायावत्सर्वयस्यायावत्सर्वानिरुगानि
गावर्त्तुमननयनिनासाहवायं कुरुयति
वगारुव ॥ ॥ ॐ तिसमूहइहितासमार्यं ॥
॥ ॐ अथवन्नाकनावनानितमोददाव
मल्यानिमानिक्कानामयुगमीन्दनीलाना

लकाहयं वदनामष्टययत्तामिमूकाहना
नीदगसंयस्ययुषागादिनासंयानवि
यतका ॥ नक्षत्रविमित्तकेनायायवत्या
यिकत्यइमेनावृता ॥ ११ ॥ कामधनुको
मुरुचन्दादिनिदलागनवकोमुरुगृहीत्वा
गवादिदवानां यथायागुतानसाधगत
गाविष्मदगता ॥ ११ ॥ अथपिगार्नाक
न्यामरिनन्दयतलीलावतीयावचन्द्रा
कायावयविष्टुथिवायावर्त्तुनागधोग
गधेयावत्सविनः ॥ सर्वायावयुथीविरुध
मायावदकनातिसगनां दानं यावत्त्याध
वृषावायवायावत्सर्वदगदिष्ठायावत्सर्व
दवायावत्सर्वदवायावत्सर्वयस्यायावत्स
र्वानिरुगानिगावर्त्तुमननसत्यतिनागा
यं कुरुयति वगारुव ॥ १२ ॥ यथापत्तिग्या
४ यथागनलियारुवति यथागगना कुरुमदि
यथावर्त्तुमावर्त्ता यथावसक्तकाकिलो
गथागवनायायवत्सर्वदावत्सगारुवति
यथासावित्री अविधवसासक्तिदयितायाव
गीयाधपियात्रुत्तिनर्मदानर्मवत्सगना
हिधीवृक्षदहादायथासुरुदादायदीमदा
ध्वातामदयतिगावागजावतीगथागवना
यायवत्यागुनेवनेवृषनायधनपुरुवति
रुवतिरुवधनपुरुवतिरुव ॥ १२ ॥ ॥
ॐ तिसन्दयइहितासमार्यं ॥ ॥ ॥



